राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,28 जुन2020 वर्ष–2, अंक –115 पृष्ठ–09 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएनबी ने अपने करोड़ों ग्राहकों साइबर अटैक को लेकर चेतावनी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी और लॉकडाउन के बीच देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक पीएनबी ने अपने करोड़ों ग्राहकों को बहुत जल्द एक साइबर अटैक को लेकर चेतावनी दी है।

पीएनबी ने अलर्ट कर बताया है कि अगर ग्राहकों ने ध्यान नहीं दिया तब बैंक में रखे पैसे गायब हो सकते हैं।

पीएनबी ने व्यक्तिगत संदेश के जरिए कई शहरों के ग्राहकों को फर्जी ई–मेल से बचने की सलाह दी है।

इसके पहले भारत सरकार ने भी एडवाइजरी जारी कर बड़े साइबर अटैक की आशंका को लेकर आम लोगों और संस्थानों को चेताया था। पीएनबी ने ट्वीट और वेबसाइट पर ग्राहकों से कहा है कि हमारी जानकारी में आया है कि देश के कई शहरों में बड़ा साइबर हमला होने वाला है। पीएनबी का कहना है कि हैकर्स ने लाखों भारतीयों के ई–मेल एड्रेस हासिल कर लिए हैं।

जिस पर वहां उन्हें फ्री कोरोना टेस्ट के नाम पर ई–मेल भेजकर उनकी व्यक्तिगत और बैंक संबंधी जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

बैंक के मुताबिक, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई और अहमदाबाद के लोग इन फ्रॉड करने वालों के निशाने पर हैं।

क्रांति समय
क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

ग्रामीण भारत में 3 में से 2 'डॉक्टरों' के पास नहीं है कोई औपचारिक मेडिकल डिग्री-स्टडी

नई दिल्ली। ग्रामीण भारत में तीन में से दो डॉक्टरों के पास मेडिकल से जुड़ी हुई कोई औपचारिक डिग्री नहीं है। ऐसा एक स्टडी से सामने आया है। वहीं, 75 फीसदी गांवों में कम से कम एक हेल्थ केयर प्रोवाइडर है और एक गांव में औसतन तीन प्राथमिक हेल्थ केयर प्रोवाइर्स हैं। इसमें से 86त्न के पास प्राइवेट डॉक्टर्स हैं और 68त्न के पास कोई औपचारिक मेडिकल ट्रेनिंग भी नहीं है। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) द्वारा किए गए सर्वे में 19 राज्यों के 1519 गांवों को शामिल किया गया है। यह स्टडी सोशल साइंस एंड मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस स्टडी से विश्व स्वास्थ्य संगठन की साल 2016 में आई रिपोर्ट 'द हेल्थकेयर वर्कफोर्स इन इंडिया' को भी बल मिलता है, जिसमें कहा गया था कि भारत में 57.3 प्रतिशत लोगों के पास कोई मेडिकल क्वालिफिकेशन नहीं है। इसके अलावा 31.4त्न लोगों ने सिर्फ सेकेंडरी स्कूल लेवल तक पढ़ाई की है। सीपीआर स्टडी में यह भी सामने आया है कि बिहार और उत्तर प्रदेश में प्रशिक्षित डॉक्टरों की तुलना में तमिलनाडु और कर्नाटक में अनौपचारिक प्रदाताओं का चिकित्सकीय ज्ञान अधिक है। वॉशिंगटन में जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में मैककोर्ट स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी और वॉल्श स्कूल ऑफ फॉरेन सर्विस के प्रोफेसर व स्टडी के प्रमुख लेखक जिष्णु दास ने ईमेल पर कहा, 'ग्रामीण जनसंख्या अधिक होने की वजह से वहां डॉक्टरों के संबंध में अनौपचारिक प्रदाता ही एकमात्र विकल्प होते हैं। वे ही वहां मौजूद रहते हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य क्लीनिक या फिर एमबीबीएस डॉक्टर इतने कम हैं, इसलिए ज्यादातर ग्रामीणों के लिए विकल्प भी नहीं हैं।'

हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, हिंद महासागर की ओर मोड़ सकता है पनडुब्बियों का रुख

नई दिल्ली

कोरोना वायरस पर दुनियाभर के कई देशों के निशाने पर आ चुका चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अपने पड़ोसी देशों के साथ विवाद खड़े करने के बाद अब चीन ऐसा अगला कदम उठा सकता है, जिससे दुनिया के कई देश चिंतित हो जाएंगे। आने वाले समय में चीन हिंद महासागर की ओर रुख कर सकता है। अगर चीन हिंद महासागर की ओर अपनी पनडुब्बियों का रुख मोड़ता है तो फिर इसका व्यापक रणनीतिक प्रभाव पड़ सकता है। फॉर्ब्स पत्रिका में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की ओर से देखें तो हिंद महासागर में अपनी पनडुब्बियों की तैनाती से युद्ध के समय में उसे मदद मिलेगी। अभी साउथ-एशिया क्षेत्र में सबसे ज्यादा पनडुब्बियां भारत के पास हैं। वहीं, चीन की नौसेना का विस्तार दुनिया के लिए चिंता का सबब है। इसके चलते बीते दिन अमेरिका ने भी एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती करने का ऐलान किया था। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने चीनी कम्युनिष्ट पार्टी को भारत समेत एशिया के अन्य देशों के लिए खतरा बताते हुए कहा था, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (चीनी सेना, जिसमें उनकी नौसेना भी शामिल है) को काउंटर करें।' हालांकि, इस समय चीन का सबसे ज्यादा ध्यान चाइना सी पर है, जहां पर बीजिंग ने सीमा को लेकर कई दावे किए हैं। इस समय वह हिंद महासागर पर कम फोकस है। लेकिन भारत के लिए यह खतरा बहुत वास्तविक है। चीनी

● वहीं, चीन की नौसेना का विस्तार दुनिया के लिए चिंता का सबब है। इसके चलते बीते दिन अमेरिका ने भी एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती करने का ऐलान किया था। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने चीनी कम्युनिष्ट पार्टी को भारत समेत एशिया के अन्य देशों के लिए खतरा बताते हुए कहा था,

पनडुब्बियों ने हाल के वर्षों में पाकिस्तान और श्रीलंका में पोर्ट कॉल का भुगतान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, माना जा रहा है कि पीस टाइम के समय चीनी पनडुब्बियां स्ट्रेट ऑफ मलक्का के जरिए से हिंद महासागर में प्रवेश कर सकती हैं। चीन अभी भी संदेश जारी करने के लिए ऐसा कर सकता है, लेकिन यह सीमित उपयोगिता है, जहां पनडुब्बी अपनी उपस्थिति को छिपाना चाहेंगी। वहीं, युद्ध के दौरान, चीनी पनडुब्बियां सुंडा स्ट्रेट या लोम्बोक स्ट्रेट से आ सकती हैं। ये इंडोनेशियाई श्रृंखला के बीच से गुजरते हैं जो प्रशांत और हिंद महासागर को अलग करते हैं। सिंगापुर से सटे मलक्का स्ट्रेट से यह फायदा है कि इससे पनडुब्बियां पूर्वी महासागर के गहरे पानी में पहुंच सकती हैं। इसके बाद वहां से वे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकती हैं।

लोम्बोक स्ट्रेट को दे सकता है प्राथमिकता

रिपोर्ट की मानें तो, सुंडा स्ट्रेट सबसे छोटा रूट है लेकिन यह पूर्वी क्षेत्र में काफी उथल-पुथल वाला है। ऐसे में लोम्बोक स्ट्रेट को प्राथमिकता दी जा सकती है। एक बार हिंद महासागर में घुसने के बाद, पनडुब्बियों को चीन लौटने के बिना वहां पुनः स्थापित किया जा सकता था। चीनी नौसेना ने पहले ही अफ्रीका के जिबूती में एक बेस बनाया है।

पाकिस्तान में चीनी बंदरगाह-इसके अलावा पाकिस्तान के ग्वादर में निर्माणाधीन एक और चीनी बंदरगाह है। उस बंदरगाह के विस्तार का काम जारी है, जिसे भी चीनी नौसैनिक अड्डे में शामिल किया जा सकता है। ग्वादर में एक फायदा यह भी है कि यह चीन की जमीन से जुड़ा हुआ है। वहीं, यदि हिंद महासागर में चीन एक स्थायी स्क्वाड्रन बनाता है तो फिर, उसके प्राकृतिक आधार ग्वादर और जिबूती होंगे। मालदीव में एक छोटा सा द्वीप भी है, जिसे चीन रिसोर्ट के रूप में विकसित कर रहा है। योजनाकारों का मानना है कि यह कुछ परिदृश्यों में आधार या निगरानी स्टेशन के रूप में कार्य कर सकता है।

चीन का काउंटर करने को भारत भी पूरी तरह मुस्तैद-वहीं, चीन को काउंटर करने के लिए भारत भी पूरी तरह से मुस्तैद है। भारतीय नौसेना भी अपनी क्षमताओं को बढ़ा रही है और खतरे का मुकाबला करने के लिए अपने ऑपरेटिंग पैटर्न को संशोधित कर रही है। इस बात के प्रमाण हैं कि भारत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पनडुब्बियों को तैनात करने की क्षमता का परीक्षण कर रहा है। यह मलक्का स्ट्रेट में पनडुब्बी गतिविधि की निगरानी करने के लिए महत्वपूर्ण है।

डोकलाम से भी लंबा खिंच सकता है लद्दाख में टकराव, LAC पर हालात जस के तस

नई दिल्ली। लद्दाख में दोनों देशों के बीच तनाव लंबा खिंचने के आसार पैदा हो रहे हैं। दोनों देशों की सेनाओं के बीच पीछे हटने पर सहमति कायम होने के बावजूद जमीन पर अमल होता नहीं दिखा रहा है। सेना के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि एलएसी पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। चीन की तरफ से पीछे हटने की प्रक्रिया का इंतजार किया जा रहा है। गलवान घाटी में खूनी झड़प के बाद 22 जून को तय हुआ था कि दोनों सेनाएं छह जून को बनी सहमति के अनुरूप पीछे हटेंगी। बाद में निचले स्तर पर हुई बैठकों में इसका मैकेनिज्म भी तय हुआ था, लेकिन अभी चीन की तरफ से उस पर क्रियान्वयन शुरू नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार एलएसी पर स्थिति 22 जून से पहले वाली बनी हुई है। दोनों तरफ सेना का जमावड़ा है। जिस अनुपात में चीन ने सेना बढ़ाई थी, उसी अनुरूप में भारत ने भी अपनी सेना बढ़ाई है। इसी प्रकार दोनों तरफ की वायुसेनाएं भी हाई अलर्ट पर हैं। भारत अपना रुख स्पष्ट कर चुका है कि उसने चीनी सेना के जमावड़े के जवाब में अपनी तैयारी की है। सैन्य सूत्रों की मानें तो पहले दोनों पक्षों को अपने सैनिकों की संख्या धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके बाद जो नए स्थाई या अस्थाई ढांचे बने

पहाड़ पर भारत तैयार तो समुद्र में अमेरिका ने घेरा, अब निकला चीन का पसीना

● साफ है कि यह टकराव डोकलाम से भी लंबा खिंच सकता है जहां 72 दिनों के बाद चीनी सेना वापस हुई थी। सूत्रों ने कहा कि एलएसी पर प्रगति सिर्फ यह है कि 22 जून के बाद दोनों तरफ से कोई नई गतिविधि नहीं हुई है जिससे टकराव में इजाफा हो।

हैं, उन्हें खाली करना होगा। इस प्रक्रिया में अभी कई सप्ताह यहां तक की महीनों भी लग सकते हैं।

राहुल गांधी फिर बने कांग्रेस अध्यक्ष तो कैसे बनाएंगे अपनी टीम? ज्यादातर पार्टी से बना चुके हैं 'दूरी'

नई दिल्ली। यदि राहुल गांधी अपनी माँ सोनिया को 135 साल पुरानी पार्टी का नेतृत्व करने की ज़िम्मेदारी से मुक्त कर अपनी पार्टी के कुछ लोगों के समर्थन से कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में वापसी करते हैं, तो वे जिस पहली समस्या का सामना करेंगे वह मानव संसाधन होगा। दरअसल पार्टी से जुड़े राहुल के करीबी अधिकतर लोग या तो छोड़ चुके हैं या साइडलाइन किए जा चुके हैं। कांग्रेस के आम चुनाव की चुनौती के लिए मई 2019 में राहुल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद से उनकी पार्टी के सदस्यों ने पार्टी या अपने पदों को छोड़ दिया था। हरियाणा में अशोक तंवर, त्रिपुरा में प्रद्योत देब बर्मन और झारखंड में अजॉय कुमार जैसे राज्य इकाई प्रमुखों ने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। 2015 में दिल्ली प्रमुख नियुक्त किए गए अजय माकन ने 2019 चुनावों से पहले पद छोड़ दिया।वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश में पूर्व मध्यप्रदेश के सहयोगियों, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के साथ लंबे समय तक दरार

के बाद मार्च में भारतीय जनता पार्टी का रुख किया। और मुंबई कांग्रेस के प्रमुख, संजय निरुपम और मिलिंद देवड़ा के रूप में राहुल गांधी की नियुक्ति लोगों ने भी अपने पद छोड़ दिए। उनके पार्टी छोड़ने की अफवाहें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। राहुल गांधी द्वारा अध्यक्ष छोड़ने के बाद से 13 महीनों में टीम के इतने सारे सदस्य क्यों चले गए? निरुपम ने एक सवाल का जवाब दिया क्या यह एक संयोग है कि ऐसा है या इसके पीछे कोई बड़ी रणनीति या रणनीति है? माना जा रहा है कि गांधी द्वारा चुनी गई टीम को कांग्रेस पार्टी के भीतर पुराने लोगों द्वारा दरकिनार कर दिया गया था। बता दें कि बीते 24 जून को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राहुल गांधी को फिर से पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने की पैरवी करने के बाद पार्टी के भीतर एक बार फिर यह मांग जोर पकड़ने लगी है। कांग्रेस के पूर्व सांसद हुसैन दलवई और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सीवी चंद रेड्डी ने बुधवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से आग्रह किया कि राहुल गांधी को अध्यक्ष की जिम्मेदारी जल्द सौंपी जाए। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दलवई ने कहा कि मौजूदा समय में राहुल गांधी के अलावा कोई दूसरा नेता नहीं है जो देश को प्रभावित करने वाले मुद्दों को इतने जोरदार ढंग से उठा रहा हो। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा, यह सिर्फ मेरी भावना नहीं है, बल्कि युवाओं और सभी कार्यकर्ताओं की भावना है कि राहुल जी को फिर से पार्टी की कमान संभालनी चाहिए।

समय से 12 दिन पहले देशभर में छाया मॉनसून, 22 प्रतिशत ज्यादा हुई बारिश

नई दिल्ली। मॉनसून ने शुक्रवार को पंजाब-राजस्थान के शेष इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस प्रकार यह अब पूरे देश में छा गया है। इस साल मॉनसून तय समय से करीब 12 दिन पहले पूरे देश में पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बयान जारी कर कहा कि पूरे देश में अब मॉनसून सक्रिय हो चुका है। हालांकि, राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों तथा पंजाब के कुछ इलाकों में मॉनसून के पहुंचने की निर्धारित तिथि 8 जुलाई है। मौसम विभाग ने कहा कि इससे पूर्व वर्ष 2013 में भी मॉनसून 16 जून को ही पूरे देश में छा गया था। इस बार सामान्य बारिश की भविष्यवाणी की गई है। अभी तक की स्थिति पर नजर डालें तो सामान्य से 22 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अब तक 135.6 मिमी बारिश होनी चाहिए जबकि वास्तविक बारिश 165.1 मिमी हुई है। मॉनसून के चार महीनों जून-सितंबर के बीच कुल 880 मिमी सामान्य बारिश होती है। मौसम विभाग के अनुसार अभी तक मध्य भारत में सामान्य से 44 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। जबक उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वोत्तर में 13-13 फीसदी तथा दक्षिण भारत में छह फीसदी ज्यादा बारिश हुई है।

पूर्वांचल और बिहार में भारी बारिश के आसार-विभाग ने कहा कि अगले कुछ दिनों से देशभर में अच्छी बारिश की संभावना है लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना भी व्यक्त की है।

कस्टम में चीन के घटिया सामानों की हो रही बारीकी से पड़ताल, बंदरगाहों और एयरपोर्ट पर अटका माल

नई दिल्ली। देश में खिलौनों, मोबाइल फोन, पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, ऑटो कंपोनेंट्स और उन तमाम चीजों के लिए इंतजार बढ़ जाएगा जो चीन से आयात की जाती हैं। संवाददाता को मिली जानकारी के मुताबिक कस्टम विभाग में सघन जांच के चलते बंदरगाहों और एयरपोर्ट पर बड़े पैमाने पर माल अटका हुआ है। उद्योग जगत ने सरकार से नियमों में ढील देने और कस्टम क्लियरेंस की रफ्तार तेज करने की मांग की है। संवाददाता को सूत्रों के जरिए मिली जानकारी के मुताबित भारत और चीन के बीच तनाव और कोरोना महामारी के चलते कस्टम विभाग में सामान की चेकिंग पहले के मुकाबले अब बढ़ गई है। यही नहीं इस बात की भी बारीकी से पड़ताल की जा रही है कि जो भी सामान चीन से आयात किया जा रहा है, वो भारतीय मानक ब्यूरो के हिसाब से ही आए। ऐसे में अगर आयात किए जा रहे

सामान में कोई कमी दिखती है तो वो माल रोक लिया जाता है और छानबीन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही छोड़ा जाता है। गोल्डविन लिमिटेड के सीईओ अजय गोयल ने हिंदुस्तान को बताया है कि चीनी कंपनियां वैसे तो सामान भेजने के पहले भारतीय मानक ब्यूरो से सामान का सैंपल मंजूर कराने के बाद ही देश में सामान बेचते हैं। लेकिन चीन कैसा सामान भेजता है ये जगजाहिर है। उनके मुताबिक देश के आयातक ऐसे ही कंपनियों से सामान खरीदती हैं, जो भारतीय मानकों पर खरे उतरते हैं। अब इसी सामान की कस्टम विभाग में सघन जांच हो रही हैं। यही नहीं उद्योग जगत का कहना है कि चीन से इम्पोर्ट करने वाले कारोबरी को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। आयातकों का कहना है कि जांच अधिकारी खराब सामान मिलने पर देश के करोबारियों पर ऐक्शन लेने के बजाए उनसे सामान वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी करने को कहें। क्योंकि चीन में अच्छा और बुरा दोनों तरह का सामान बनता है और कब उस देश के लोग कैसा सामान भेज रहे हैं ये देश में सामान पहुंचने पर ही पता चलेगा। कारोबारियों की ये भी मांग है कि सरकार इस मामले में हस्ताक्षेप कर ऐसे कड़े नियम बनाए कि चीन से खराब सामान आए ही नहीं। साथ ही देश में मैन्युफैक्चिंग को भी बढ़ावा दिया जाए ताकि हमें कच्चा माल इम्पोर्ट करने की जरूरत ही न हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जरूरी अभियान

कोरोना के समय में देश के जिस राज्य में सबसे ज्यादा कामगार लौटे हैं, उस राज्य में रोजगार की विशेष पहल न केवल स्वागतयोग्य, बल्कि अनुकरणीय भी है। एक अनुमान के अनुसार, देश भर से करीब 38 लाख प्रवासी श्रमिक उत्तर प्रदेश लौटे हैं। अप्रैल में उनके लौटने का सिलसिला जब तेज हुआ था, तभी से यह चिंता जताई जा रही थी कि ये घर लौटकर क्या करेंगे, कैसे गुजारा करेंगे? मई का महीना आते ही लोगों ही नहीं, सरकारों को भी लगने लगा कि कोरोना जल्दी खत्म नहीं होगा। इसके बाद ही स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार देने की मांग व चिंता जोर पकड़ने लगी। अब उत्तर प्रदेश ने इस जरूरी पहल को अपने ढंग से अंजाम दिया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। विशेष रूप से मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में ज्यादा मजदूर लौटे हैं, तो आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार कार्यक्रम का फोकस इन्हीं जिलों पर होना आश्वस्त करता है कि यह पहल कारगर हो सकती है। अब गेंद जिम्मेदार अधिकारियों के पाले में है, उन्हें इस अभियान को जमीन पर साकार कर दिखाना होगा। लगभग 23 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले उत्तर प्रदेश में जितने प्रवासी कामगार लौटे हैं, इसके अलावा लगभग इतने ही अन्य स्थानीय कामगारों को रोजगार की जरूरत होगी। ऐसे में, अगर 1.25 करोड़ लोगों को इस अभियान के तहत काम नसीब होता है, तो प्रदेश के लिए यह बहुत बड़ी सफलता होगी। इस अभियान की पृष्ठभूमि में एक और अच्छी पहल हुई है, करीब 30 लाख प्रवासी मजदूरों की 'स्किल मैपिंग' की गई है। कौशल या हुनर के आधार पर तमाम मजदूरों का डाटा तैयार करना सुगठित अर्थव्यवस्था के अनुकूल कदम है। उपलब्ध डाटा के आधार पर न केवल कार्य वितरण, बल्कि योजनाओं और नीतियों का निर्माण भी कारगर साबित हो सकता है। ऐसे ही आंकड़े अन्य राज्यों के पास भी होने चाहिए। संभव है, लोगों के लिए जिलावार या ग्रामीण क्षेत्रवार अलग-अलग तरह के रोजगार की व्यवस्था करनी पड़े, मौजूदा समय में लोगों की आजीविका को बल प्रदान करने के लिए ऐसा करना ही होगा। गौरतलब है कि पिछले शनिवार को प्रधानमंत्री ने गरीब कल्याण रोजगार अभियान की शुरुआत की थी, जिसके तहत, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, ओडिशा के जरूरतमंद कामगारों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। दूसरे राज्य मनरेगा व दूसरी योजनाओं के तहत भी लोगों को रोजगार मुहैया करा सकते हैं। पुरानी योजनाओं के तहत भी लोगों को लाभ पहुंचाने के व्यापक प्रबंध संभव हैं। राज्य सरकारों के पास असीम ताकत है, वे रोजगार बढ़ाने के लिए बहुत कुछ कर सकती हैं। हां, एक बात ध्यान में रहनी चाहिए कि अब समय आ गया है, जब किसी योजना के नाम के साथ गरीब शब्द न जोड़ा जाए। यह ऐसा समय है, जब बहुत योग्य या कुशल लोग भी बेरोजगार हुए हैं, उनके प्रति संवेदनशील रहना जरूरी है। अत- उत्तर प्रदेश सरकार ने अभियान का एक अच्छा नाम रखकर उसके मान और दायरे को बढ़ा दिया है। जिन छह राज्यों में इस अभियान के तहत काम शुरू हुआ है, वहां नाकामी की कोई गुंजाइश नहीं छूटनी चाहिए। इन सभी राज्यों में अगर यह अभियान फलदायी होता है, तो इससे पूरे देश और उसकी अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। इसके साथ ही इन राज्यों के मजदूरों का देश में मान-भुगतान भी बढ़ेगा।

राजनीति का मैला आंचल और जवाबदेही

विश्वनाथ सचदेव

राजनीति की सबसे सरल परिभाषा यह बताई गई है कि शासन करने की कला को राजनीति कहते हैं। एक और परिभाषा के अनुसार यह यानी राजनीति, शैतानों की आखिरी शरणगाह है। यह माना जा सकता है कि कला से शरणगाह तक का यह सारा इलाका राजनीति का कार्यक्षेत्र है। इसके बावजूद समाज, राजनीति और राजनेताओं को अच्छे अर्थों में ही देखना चाहता है— इसीलिए राजनीति करने वालों को नेता मान लिया गया है। इसके साथ ही यह भी मान लिया गया है कि राजनीति को घटिया बनाने का काम हमारे द्वारा मान लिए गए नेता ही करते हैं। अर्थात ् नेता अच्छा है तो राजनीति अच्छी होगी और नेता अच्छा नहीं है तो राजनीति भी अच्छी नहीं हो सकती। सारा दारोमदार हमारे नेताओं पर है। अपने आप में राजनीति को बुरा घोषित करना, इस दृष्टि से, उचित नहीं माना जाना चाहिए। तो फिर यह क्यों कहा जाता है कि यह समय राजनीति करने का नहीं है? यही वाक्य तो हम सुन रहे हैं न आजकल। विपक्ष के नेता बार-बार यह कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल का नेतृत्व राजनीतिक स्वार्थों को पूरा करने में लगा है और इसके जवाब में सत्तापक्ष विपक्ष को नसीहत देने में लगा है कि देश कोरोना वायरस से जूझ रहा है, चीन घुसपैठ की कोशिश में लगा है, पाकिस्तान अपने नापाक इरादों से बाज नहीं आ रहा है, ऐसे में विपक्ष को राजनीति नहीं करनी चाहिए। स्पष्ट है, यहां राजनीति कोई अच्छी चीज नहीं मानी जा सकती। क्या सचमुच राजनीति अच्छी चीज नहीं है? अब्राहम लिंकन ने जनतंत्र की एक परिभाषा दी थी, 'जनता की, जनता के लिए, और जनता के द्वारा सरकार'। इसका सीधा-सा मतलब यह है कि जनतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी नागरिक राजनीति अर्थात ् शासन की कला से वंचित नहीं रह सकता—वंचित नहीं रहना चाहिए। ऐसे में, यदि राजनीति कोई बुरी चीज है, जैसा कि 'राजनीति मत करो' वाक्यांश से ध्वनित होता है, तो नागरिक की स्थिति और भूमिका पर सवाल उठना लाजिमी है। क्या राजनीति नाम की बुरी चीज से नागरिक पल्ला झाड़ ले? क्या राजनीति को उन्हीं के भरोसे छोड़ दिया जाए, जिनकी यह अंतिम शरणगाह मानी जाती है? इन दोनों सवालों का उत्तर नकारात्मक ही होना चाहिए। जनतंत्र में नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वह अपने राजनेताओं से लगातार सवाल पूछता रहे। जनतंत्र का सच्चा चौकीदार नागरिक ही हो सकता है, कोई और नहीं। दावा तो कोई भी कर सकता है, लेकिन सच्चाई यही है कि हमारी राजनीति को, और हमारे जनतंत्र को, उन्हीं ने मैला किया है, जिन्हें हमने राजनीति की चादर को उजला रखने का काम सौंपा था। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अमानत में खयानत करने वाले अपने नेताओं से पूछें कि शासन करने की कला इतनी बुरी कैसे बन गई कि आप जब चाहे अपने विरोधी को यह कह देते हैं कि वह राजनीति न करें। राजनीति शासन करने की कला है, शासन हथियाने की नहीं। यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि हमारे राजनेताओं ने येन-केन-प्रकारेण शासन हथियाने को ही अपनी राजनीति का उद्देश्य बना रखा है। और एक बार सत्ता मिल जाने के बाद राजनेता की हरसंभव कोशिश यह होती है कि वह सत्ता छोड़े नहीं। कुर्सी का यह किस्सा कुल मिलाकर सत्ता में बने रहने की कला बनकर रह गया है। राजनीति को सेवा का माध्यम बनाने की, बताने की एक होड़ में लगे हमारे नेता वस्तुत: राजनीति के माध्यम से सत्ता हथियाने की दौड़ में लगे हैं। युद्ध और प्यार की तरह राजनीति में भी सब कुछ जायज मान लिया गया है। साम, दाम, दंड, भेद सब कुछ राजनीति का जायज हथियार है हमारे राजनेताओं के हाथ में। क्या नहीं करते सत्ता के लिए हमारे नेता? हमने शासन की एक व्यवस्था अपने लिए स्वीकार की, जिसमें नागरिकों के समर्थन के आधार पर राजनीतिक दलों को सत्ता संभालने का अवसर मिलता है और आम जनता इन दलों की घोषित नीति के आधार पर समर्थन देती है, और जनता के समर्थन तक सत्ता उस दल या राजनेता के पास रहती है। यह सही है कि हमारा भारत उन गिने-चुने राष्ट्रों में से है जहां पिछले 70 साल से जनता के वोट से शासक चुना जाता है। पर जब हम जनता के चुनाव को राजनेताओं के हाथ का खिलौना बनते देखते हैं तो उन पर नहीं, अपने आप पर तरस आता है। वोटों की खरीदारी, बहुमत के लिए करोड़ों का लेन-देन, निर्वाचित प्रतिनिधियों को बंदी बनाकर रखने की शर्मनाक कोशिशें, मंत्री पद या अन्य कोई लाभ पाने के लिए रातोंरात पाला बदल लेना, यह सब जायज हथियार बन गए हैं हमारी राजनीति के। होना तो यह चाहिए था कि ये सारे हथकंडे अपराध माने जाते, पर ऐसी कोई व्यवस्था हम कर नहीं पाए और ऐसे अपराध करने वालों को ऐसा करने में कभी कोई संकोच नहीं हुआ। वे बेशर्मी से नेता बने रहे और हम इस तरह के राजनीतिक हथकंडे पर एक आपराधिक चुप्पी साधे बैठे रहे। इस सबके चलते ही राजनीति बदनाम हुई है विडंबना यह है कि आज हमारे नेता राजनीति न करने का उपदेश देते हैं और हम चुपचाप तमाशा देखते रहते हैं। जी नहीं, राजनीति तमाशा नहीं है, हमने उसे तमाशा बना रखा है। यह तमाशा नहीं तो और क्या है कि किसी एक दल का प्रवक्ता रातों-रात किसी दूसरे दल की वकालत करने लगता है; बिना कोई कारण बताए कोई भी राजनेता पाला बदलकर बैठ जाता है। हाल ही में मणिपुर में सत्ता के लिए जो कुछ हुआ, उससे कहीं अधिक बुरे दृश्य हम हाल के सालों में मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गोवा, हरियाणा, असम आदि राज्यों में देख चुके हैं। दलबदल की बीमारी से राजनीति को बचाने के लिए हमने कुछ कानून बनाए थे, पर वे भी सब नाकाफी सिद्ध हो रहे हैं, और ऐसी हर कार्रवाई तब तक और सफल और अपर्याप्त सिद्ध होती रहेगी जब तक इस देश का नागरिक यह नहीं ठान लेता कि वह हमारी राजनीति को कीचड़ बनाने वालों को नहीं स्वीकारेगा। अपने चुने हुए नेताओं से सवाल पूछना नागरिक का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। जनतंत्र का नायक नेता नहीं, मतदाता होता है। इस नायक की सतत जागरूकता ही जनतंत्र की सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी है। इसी जागरूकता का, कसौटी का, तकाजा है कि हम उन पर निगाह रखें जो हमारी राजनीति को गलत निगाहों से देखते हैं। राजनीति के मैले आंचल को साफ करने का दायित्व मतदाता का ही है। उसे ही अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से पूछना है कि उन्होंने हमारी राजनीति को बदनाम क्यों कर दिया है। क्यों राजनीति इतनी बुरी चीज हो गई कि नेता कहते फिरते हैं, इस विषय पर राजनीति मत करो? सत्ता में बैठे अपने प्रतिनिधि से यह पूछने का हक हर नागरिक का है कि सरकार जो कुछ कह रही है उसका आधार क्या है, जो कर रही है उसका औचित्य क्या है? ऐसे किसी भी सवाल को 'राजनीति' करार देकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश कुछ छिपाने की कार्रवाई ही कही जा सकती है। क्यों करे कोई ऐसी कार्रवाई? क्यों सहे कोई यह सब?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

कुर्सी

कश्मीर दे दिया,POK दे दिया,
अक्साई चीन भी दे दिया लेकिन मजाल है
आज तक अध्यक्ष की कुर्सी किसी को दी हो।
-- बबीता फोगाट

ज्ञान गंगा

ईश्वर विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर विश्वास एक ऐसी चीज है कि इससे जीवन दर्शन को उच्चस्तरीय प्रेरणा मिलती है। संसार के सभी प्राणी ईश्वर के पुत्र हैं। अन्य प्राणियों की और मनुष्यों की स्थिति की तुलना करने पर जमीन-आसमान जैसा अंतर दिखाई पड़ता है। इसमें पक्षपात और अनीति का आक्षेप ईश्वर पर लगता है। जब सामान्य प्राणी अपनी संतान को समान स्नेह सहयोग देते हैं तो ईश्वर ने इतना अंतर किसलिए रखा? इस विभेद को समझने में प्रत्येक विवेक संपन्न व्यक्ति को भारी उलझन का सामना करना पड़ता है। तत्वदर्शी विवेक बुद्धि इस विभेद के अंतर का कारण भली प्रकार स्पष्ट कर देती है। मनुष्य को अपने वरिष्ठ सहकारी जेष्ठ पुत्र के रूप में सृजा गया है। उसके कंधों पर सृष्टि को अधिक सुंदर, समुन्नत और सुसंस्कृत बनाने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इसके लिए उसे विशिष्ट साधन उसी प्रयोजन के लिए अमानत के रूप में दिए गए हैं। मिनिस्टरों को सामान्य कर्मचारियों की तुलना में सरकार अधिक सुविधा साधन इसलिए देती है कि उनकी सहायता से वे अपने विशिष्ट उत्तरदायित्वों का निर्वाह सुविधापूर्वक कर सकें। ये सुविधाएं उनके व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं वरन जनसेवा के लिए दी जाती हैं। बैंक के खजांची के हाथ में बहुत-सा पैसा रहता है। यह उनके निजी उपभोग के लिए नहीं, बल्कि बैंक प्रयोजन के लिए अमानत रूप में रहता है। निजी प्रयोजन के लिए तो क्या मिनिस्टर, क्या खजांची, सभी को सीमित सुविधा मिलती है। अत्यधिक साधन जो उनके हाथ में रहते हैं, उन्हें वे निर्दिष्ट कार्यों में ही खर्च कर सकते हैं। मानवी कार्यों में उपभोग करने लगें तो यह दंडनीय अपराध होगा। ठीक इसी प्रकार मनुष्य के पास सामान्य प्राणियों को उपलब्ध शरीर निर्वाह भर के साधनों से अतिरिक्त जो कुछ भी श्रम, समय, बुद्धि, वैभव, धन, प्रभाव, प्रतिभा आदि की विभूतियां मिली हैं, वह सभी लोकोपयोगी प्रयोजनों के लिए मिली हुई सार्वजनिक संपत्ति हैं। शरीर रक्षा एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के लिए औसत नागरिक स्तर का निर्वाह कर लेने के अतिरिक्त मनुष्य के पास जो कुछ बचता है, उसकी एक-एक बूंद उसे लोक कल्याण के लिए नियोजित करनी चाहिए। इसी में ईश्वरीय अनुदान और मानवी गरिमा की सार्थकता है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

देश की सूचनाएं और सुरक्षा दांव पर

अभिषेक कुमार

इधर खास तौर से चीनी मोबाइल कंपनियों के हैंडसेट और एप्स को लेकर सोशल मीडिया पर बाकायदा एक अभियान चल रहा है। इसकी एक तात्कालिक वजह पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सेना में हुई झड़प है। इसके बाद से ही लोगों में चीन को लेकर काफी गुस्सा है और लोग चीनी उत्पादों के बॉयकॉट की अपील कर रहे हैं। चिंता की एक बड़ी वजह यह है कि कहीं ये स्मार्टफोन हमारे देश की जासूसी करने में मददगार तो साबित नहीं हो रहे हैं। हाल ही में सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को एक लिस्ट भेजी थी, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एप जूम, टिकटॉक, यूसी ब्राउजर, एक्सएंडर, शेयरइट और क्लीन मास्टर आदि को देश की सूचनाओं और सुरक्षा के लिए खतरनाक बताया गया। इंटेलिजेंस ब्यूरो इससे पहले भी (2018 में) ऐसी आशंकाएं जता चुका है कि चीन के 40 से ज्यादा एप्लिकेशन हमारे स्मार्टफोनों को हैक कर सकते हैं। इस आशंका के मद्देनजर उस दौरान सुरक्षा बलों को सलाह दी गई थी कि वे वीचैट, यूसी ब्राउजर, यूसी न्यूज, ट्रूकॉलर और शेयरइट आदि एप्स को अपने स्मार्टफोनों से हटा दें। आईबी ने कहा था कि ये एप्लिकेशन असल में चीन की तरफ से विकसित किए गए जासूसी के एप हैं और इनकी मदद से जो भी सूचना, फोटो, फिल्म एक-दूसरे से साझा की जाती है, उसकी जानकारी चीन के सर्वरों तक पहुंच जाती है। इन आशंकाओं के बीच एप्लिकेशन शेयरइट ने जासूसी की बात से इनकार किया था और कहा था कि वे अपनी विश्वसनीयता को साबित करने के लिए सरकार व मीडिया के साथ बातचीत को तैयार है। अगस्त, 2018 में केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन बनाने वाली चीन समेत कई अन्य देशों की 21 कंपनियों को इस बारे में नोटिस जारी किया था। संदेह है कि ओपो, वीवो, शाओमी और जियोनी के अलावा एपल, सैमसंग और भारतीय कंपनी माइक्रोमैक्स के स्मार्टफोन्स के जरिए चीनी खुफिया एजेंसियां भारतीय ग्राहकों की पर्सनल जानकारियां चुराती रही हैं। सरकार ने ओपो, वीवो, शाओमी और जियोनी जैसी चाइनीज कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह नोटिस सरकार की तरफ से इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने इन सभी कंपनियों को भेजा था। चीनी एप्लिकेशंस और स्मार्टफोनों को जासूसी के लिए संदेह के घेरे में लेने के पीछे बड़ा सवाल यह है कि सरकार ऐसे कदम क्या सिर्फ इसलिए उठाती है क्योंकि चीन से कभी डोकलाम, तो कभी गलवान घाटी में सीमा को लेकर विवाद उठते रहते हैं। वर्ष 2018 में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में बताया था कि देश की एक खुफिया एजेंसी की तरफ से सरकार को वीचैट (वीफोन एप) को प्रतिबंधित करने की अपील मिली थी। इस अपील का मुख्य कारण यह है कि यह ऐप अपने उपभोक्ताओं को वीओआईपी प्लेटफार्म के जरिए कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन (सीएलआई) को चकमा देने की सुविधा प्रदान करता है। सीएलआई को छिपाने से कॉलर की पहचान उजागर नहीं हो पाती है। ऐसे में फर्जी कॉल्स करने में वीचैट का इस्तेमाल किया जा सकता है। खास बात यह है कि इस एप्लिकेशन के जरिए होने वाली कोई भी कॉल विदेश में स्थित सर्वर से होकर आती है, इसलिए कॉलिंग नंबर की पहचान या उसके स्थान का पता लगाना मुश्किल होता है। सिर्फ चीनी स्मार्टफोन या एप्लिकेशंस से ही लोगों की जासूसी नहीं हो रही

है। जानकारी चुराकर उसे बेचने के आरोप फेसबुक पर भी लग चुके हैं। असल में, फेसबुक या गूगल को यह पता रहता है कि कोई व्यक्ति किसी समय में ऑनलाइन क्या गतिविधियां करता रहा है। इसके आधार पर इन्हें व्यक्ति की ऑफलाइन गतिविधियों का भी पता चलता रहता है। इन गतिविधियों में एक व्यक्ति के एक स्थान तक आने-जाने, समय, खरीदारी आदि के ट्रेंड की जानकारियां होती हैं। फेसबुक तो यह कहता भी है कि वह अपने यूजर्स के बारे में विभिन्न स्रोतों से जानकारी जुटाता है, लेकिन वह यह नहीं बताता कि यूजर्स के बारे में किन स्रोतों से क्या जानकारियां ली गईं। भारतीय टेलीग्राफ एक्ट 1885 के मुताबिक ऐसी जासूसी का कृत्य दंडनीय हो सकता है, पर समस्या यह है कि इसे साबित करना दिनोदिन कठिन होता जा रहा है। देश में करोड़ों मोबाइल फोनधारक हैं और ज्यादातर के पास अब स्मार्टफोन हैं। इन पर कौन-कौन से एप्लिकेशन डाउनलोड कर रहे हैं, इसकी जानकारी लेना भी आसान नहीं है क्योंकि कई तो सीधे विदेश स्थित सर्वरों से सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं। ऐसे दो ही रास्ते हैं—एक, या तो चीनी एप निर्माताओं और फेसबुक, गूगल से लेकर हर प्रमुख इंटरनेट कंपनी से कहा जाए कि वह भारत में ही अपना सर्वर स्थापित करे। चीन ने अपने देश में ऐसा ही किया है। दूसरा रास्ता है कि देश में टिकटॉक, शेयरइट आदि चीनी एप्स और फेसबुक-गूगल आदि उपयोगी चीजों के विकल्प पैदा किए जाएं। खुद चीन ने इन सभी के बेजोड़ विकल्प बनाकर विदेशी ऑनलाइन दासता व जासूसी की आशंकाओं को धता बताया है। सबक यही है कि हमारे देश में भी गूगल, व्हाट्सएप, वीचैट और फेसबुक-इंस्टाग्राम के देसी विकल्प पैदा किए जाएं। सरकार को चाहिए कि वह विदेशी मोबाइल कंपनियों और उनके एप्स पर पाबंदी के साथ देसी हैंडसेट उद्योग को बढ़ावा दे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक में एक दिन में पेट्रोल-डीजल के दामों में 'धमाकेदार' वृद्धि, पेट्रोल पंप ही हो गए बंद

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में एक दिन में पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा वृद्धि से जनता में हड़कंप मच गया है। इमरान खान सरकार ने शुक्रवार को सभी पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स इतने महंगे कर दिए कि पेट्रोल पंप ही बंद हो गए। यहां पेट्रोल के दाम 25.58 रुपए प्रति लीटर (पाकिस्तान करंसी में) बढ़ाए गए हैं। अब यह 100.10 रुपए प्रति लीटर हो गया है। डीजल 21 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है। अब यह 101.46 रुपए प्रति लीटर हो गया है। केरोसिन ऑयल भी 24 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है। नए भाव सामने आने के बाद देश के कई शहरों में पेट्रोल पंप बंद कर दिए गए हैं। 'जियो न्यूज' के मुताबिक, ज्यादातर पेट्रोल पंप पर टेक्निकल फॉल्ट के बोर्ड लटका दिए गए वहीं, कुछ बिना किसी सूचना के बंद कर दिए गए। विपक्ष ने पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाने का विरोध किया है। सरकार के इस कदम का विपक्ष ने विरोध किया है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी यानी पीपीपी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि सरकार की नाकामी से मुल्क दिवालिया होने के कगार पर है। इसका मतलब यह नहीं कि वो खजाना भरने के लिए गरीबों को लूटे। सिलेक्टेड प्राइम मिनिस्टर मनमानी न करें तो बेहतर होगा। नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन के सांसद आसिफ किरमानी ने कहा- यह पेट्रोल बम है। दुनिया के दूसरे मुल्क गरीबी खत्म करने पर फोकस कर रहे हैं। हमारी सरकार गरीबों को खत्म करने पर आमादा है। बता दें कि भारत का 1 रुपया पाकिस्तान के 2.22 रुपए के बराबर है। यानी भारतीय करंसी की वैल्यू पाकिस्तानी करंसी के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है।

अडाणी ग्रीन एनर्जी को 2,500 करोड़ रुपये जुटाने को शेयरधारकों की मंजूरी

नयी दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी को 2,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी की बृहस्पतिवार को हुई पांचवीं वार्षिक आमसभा में यह मंजूरी मिली। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि 25 जून, 2020 को हुई सालाना आम बैठक में सभी प्रस्तावों को शेयरधारकों ने बहुमत के साथ मंजूरी दे दी। आमसभा के नोटिस में कहा गया है कि इस प्रस्ताव के तहत शेयरधारकों से 2,500 करोड़ रुपये का कोष जुटाने की अनुमति मांगी गई थी। यह राशि एक या अधिक किस्तों और एक या अधिक मुद्राओं में जुटाई जाएगी। इसके अलावा यह भी प्रस्ताव किया गया था कि कंपनी का बोर्ड इक्विटी शेयर या कोई अन्य प्रतिभूति मसलन ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स या अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स या परिवर्तनीय तरजीही शेयर या परिवर्तनीय डिबेंचर या वॉरंट के साथ गैर परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर कोष जुटा सकता है । डिपॉजिटरी रिसीट्स या परिवर्तनीय तरजीही शेयर या परिवर्तनीय डिबेंचर या वॉरंट के साथ गैर परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर कोष जुटा सकता है । इसके साथ ही शेयरधारकों ने गौतम एस अडाणी को फिर निदेशक नियुक्त करने की भी मंजूरी दे दी है।

विज्ञापनों पर रोक का दिखा असर, फेसबुक के शेयर में भारी गिरावट

सैन फ्रांसिस्को। बेन एंड जेरी आइस्क्रीम और डव साबून जैसे ब्रांड्स के विज्ञापनों पर रोक लगने के बाद शुक्रवार को फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के शेयरों में तेजी से गिरावट देखने को मिली। यूनिलीवर कंपनी का कहना है कि कम से कम साल के आखिर तक अमेरिका में फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर विज्ञापन पर रोक जारी रहेगी। दरअसल, फेसबुक पर नफरत फैलाने वाले भाषण और विभाजनकारी विमर्श का आरोप लगाते हुए बेन एंड जेरी और डव जैसे ब्रांड की यूरोपीय निर्माता कंपनी यूनिलीवर ने इस साल के अंत तक फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर विज्ञापनों का बहिष्कार करने की घोषणा की। यूनिलीवर ने कहा कि नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव से पहले अमेरिका में ध्रुवीकृत माहौल के कारण ब्रांडों को लेकर यह फैसला किया गया है। यूनिलीवर की घोषणा के बाद फेसबुक और ट्विटर दोनों के शेयर लगभग 7 फीसदी से ज्यादा गिर गए। फेसबुक के शेयर में 8.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। मार्क जुकरबर्ग को 7 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इस घोषणा के बाद नीदरलैंड और ब्रिटेन में स्थित यूनिलीवर कंपनी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से वापस आने वाले दूसरे विज्ञापनदाताओं की लिस्ट में शामिल हो गई है। बताया जाता है कि फेसबुक पर नस्लवाद और हिंसक कंटेंट को शेयर करने से रोकने पर दबाव बनाने के लिए विज्ञापन को वापस लेने का निर्णय किया गया। यूनिलीवर ने कहा कि हमने तय किया है कि अब कम से कम साल के अंत तक हम अमेरिका में सोशल मीडिया न्यूजफील्ड प्लेटफॉर्मों फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर ब्रांड विज्ञापन नहीं चलाएंगे। हालांकि फेसबुक ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

केंद्र, राज्य सरकार के कर्मचारी 'पुरानी पेंशन योजना बहाल' करने के ट्विटर अभियान से जुड़े

नयी दिल्ली। केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मचारी शुक्रवार को बड़ी संख्या में पुरानी पेंशन योजना को बहाल किये जाने की मांग को लेकर ट्विटर पर चलाये जा रहे अभियान से जुड़े। अभियान को चलाने वाली संगठन ने इसकी जानकारी दी। पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग को लेकर 'नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम' (एनएमओपीएस) ने ट्विटर पर अभियान शुरू किया है। इसका दावा है कि तेरह लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी इसके सदस्य हैं। एनएमओपीएस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष मनजीत सिंह पटेल ने कहा, '' केन्द्र सरकार ने एक जनवरी 2004 से सरकारी नौकरी में आये कर्मचारियों के लिये सरकार ने नई पेंशन योजना शुरू की है। इसे नयी पेंशन योजना (एनपीएस) नाम दिया गया है। यह 1972 के केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम के स्थान पर लागू की गयी। एनपीएस कर्मचारी के अंतिम मूल वेतन के मुताबिक न्यूनतम उन्होंने कहा कि इसके अलावा एनपीएस में कई और दिक्कतें हैं। इसमें महंगाई भत्ते में होने वाली बढ़त के मुताबिक संशोधन का कोई प्रावधान नहीं है। जबकि पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारी को साल में दो बार संशोधित महंगाई भत्ते का लाभ मिलता था।

सरकार को इस समय कर्ज पर नहीं, आर्थिक पुनरूत्थान पर ध्यान देने की जरूरत: वित्त आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार को इस समय राजकोषीय सुदृढीकरण अथवा बढ़ते सार्वजनिक ऋण के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है, बल्कि उसे अर्थव्यवस्था के जल्द से जल्द पुनरुत्थान के संभावित तौर तरीकों पर ध्यान देना चाहिए। पंद्रहवें वित्त आयोग के चेयरमैन एन के सिंह ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वृद्धि दर काफी कमजोर रहने तथा राजस्व संग्रह कम होने से केंद्र और राज्य सरकारों के ऊपर वित्त को लेकर काफी दबाव है। आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ आयोग की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने कहा कि इस साल राजकोषीय आंकड़े उन तरीकों से अलग होंगी, जैसा उन्हें समझा जाता रहा है। वित्त मंत्रालय ने खुद रिजर्व बैंक से उधारी बढ़ाई है। वहीं राज्य सरकारें भी अधिक उधार लेने जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा, यह राजकोषीय स्थिति सुदृढ़ बनाने को लेकर बात करने का समय नहीं है। यह वह समय है, जिसमें दुनिया मानती है, मुझे लगता है कि राजकोषीय घाटे के बजाय व्यय को बनाए रखने की आवश्यकता है और केंद्र सरकार ने यही किया है। सिंह ने कहा, उन्होंने इस मुद्दे को संबोधित किया है कि धन और वित्त कहां जाना चाहिए, लेकिन वर्तमान और अगले वित्त वर्ष से आगे देखकर चलें, इस मामले में केंद्र सरकार सचेत है।

हर कोई सचेत है रास्ते पर कैसे लौटना है और किस तरह की वापसी वित्तीय घाटे और कर्ज दोनों मोर्चे पर उचित मानी जा सकती है। पंद्रहवें वित्त आयोग के गठन की शर्तों में एक महत्वपूर्ण शर्त यह भी है कि आयोग 2021-22 से 2025-26 के दौरान सरकार को घाटे, वित्त और कर्ज के संदर्भ में अनुशासित रास्ते का सुझाव दे। सिंह ने कहा, ÷इस साल हमें राजकोषीय घाटे या ऋण पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। हमें अर्थव्यवस्था के सबसे संभावित तेज पुनरुद्धार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। रेटिंग एजेंसियों ने भारत के राजकोषीय घाटे (संयुक्त केंद्र और राज्यों) का चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 11-12 प्रतिशत के बराबर रहने का अनुमान लगाया है। सरकार का कुल ऋण पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी के 71 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत को छूने वाला है। पंद्रहवें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद ने वित्त आयोग के साथ 25-26 जून को वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये बैठकों में महसूस किया कि अर्थव्यवस्था तथा केंद्र और राज्य सरकारों की राजकोषीय स्थिति पर महामारी का प्रभाव अभी भी बहुत अनिश्चित है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, सलाहकार परिषद ने केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व संग्रह पर अर्थव्यवस्था में लॉकडाउन के कारण प्रतिकूल प्रभावों पर भी चर्चा की।

कोविड-19 संकट फिर से रणनीति बनाने के लिए एक अवसर है: यूबीआई प्रमुख

नयी दिल्ली। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजकिरण राय जी. ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण पैदा हुआ व्यवधान व्यवसायों के लिए फिर से रणनीति बनाने और खुद की क्षमताओं को समझने का अवसर है। उन्होंने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक वेबिनार में शुक्रवार को कहा कि बैंकिंग उद्योग हमेशा व्यवसायों की मदद के लिए मौजूद है, लेकिन उन्हें भी नवाचार पर जोर देना होगा और तय परिपाटी से आगे सोचना होगा। उन्होंने कहा, ''मौजूदा व्यवधान फिर से रणनीति बनाने और फिर से खोज करने का एक मौका है। सेवा के लिए नए क्षेत्रों की तलाश करें। आप नए उत्पादों की पेशकश कर सकते हैं, जहां भी संभव हो रणनीतिक साझेदारी कर सकते हैं।'' यूनियन बैंक प्रमुख ने यह भी कहा कि छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमई) के पास वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में दस्तक देने का वास्तविक अवसर हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में कंपनियां खरीदारी में विविधता लाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि छोटे व्यवसाय ज्यादातर एक व्यक्ति पर निर्भर होते हैं, ऐसी कंपनियों को बैंकों के डिजिटल साधनों को अपनाना चाहिए ताकि बैंक तेजी से उन्हें कर्ज देने के बारे में मूल्याकंन कर सकें।

ऋणी काश्तकारों के लिए भी स्वैच्छिक होगी फसल बीमा योजना

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ - 2020 में कर्जदार काश्तकारों के लिए भी फसल बीमा करना स्वैच्छिक होगा। इस योजना के तहत फसल बीमा नहीं चाहने के इच्छुक ऋणी किसान इसके लिए आठ जुलाई तक संबंधित बैंक शाखा में आवेदन कर सकते हैं। कृषि आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि वित्तीय संस्थानों से फसली ऋण लेने वाले किसानों को आठ जुलाई तक संबंधित बैंक में जाकर फसल बीमा न लेने के लिए निर्धारित प्रपत्र में लिखित आवेदन करना होगा। अधिकारियों के अनुसार केंद्र सरकार ने फसल बीमा योजना में खरीफ-2020 से कई बदलाव किए गए हैं। इसके तहत वित्तीय संस्थानों से फसली ऋण लेने वाले किसानों के लिए फसल बीमा को स्वैच्छिक किया गया है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार ने किसानों के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की है।

माइक्रोसॉफ्ट का बड़ा ऐलान, हमेशा के लिए बंद करेगी दुनियाभर के सभी रिटेल स्टोर्स

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह दुनिया भर में अपने सभी 83 रिटेल स्टोर को हमेशा के लिए बंद कर रही है। कंपनी की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि अब उसका फोकस ऑनलाइन स्टोर पर होगा। कंपनी रिटेल टीम के लोगों को सेल्स और सपॉर्ट को लेकर ट्रेनिंग देगी और ग्राहकों को पहले की तरह सेवा का अनुभव होता रहेगा। न्यूज लेटर में कहा गया कि सिर्फ चार स्टोर खुले रहेंगे जिनमें में अब प्रॉडक्ट की बिक्री नहीं होती है। कंपनी ने कहा कि वह बदले हालात में डिजिटल स्टोर माइक्रोसॉफ्ट पर फोकस करेगी और इन्वेस्ट भी करती रहेगी। माइक्रोसॉफ्ट हर महीने 190 देशों के बाजार में 1.2 अरब लोगों तक पहुंचती है। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट डेविड पोर्टर ने कहा कि कोरोना संकट काल में ऑनलाइन सेल्स में तेजी आई है। हमारे पोर्टफोलियो में ज्यादातर डिजिटल प्रॉडक्ट्स हैं। हमारे पोर्टफोलियो में ज्यादातर डिजिटल प्रॉडक्ट्स हैं। हमारी टीम ने शानदार काम किया और फिजिकल लोकेशन पर नहीं जाने के बावजूद कस्टमर्स को किसी तरह की कोई शिकायत नहीं है।

बेहतर मानसून से खेती ने पकड़ी रफ्तार, खरीफ फसलों का रकबा अब तक 104 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बेहतर मानसून के कारण चालू खरीफ सत्र में फसलों की बोआई में बढ़ोतरी हुई है। सभी प्रकार के खरीफ फसलों का रकबा पिछले साल के मुकाबले 104 फीसदी बढ़ा है। तिलहन फसलों का रकबा पिछले साल के मुकाबले 525 फीसदी बढ़ा। दलहन फसलों का रबका करीब 222 फीसदी बढ़ा। प्रमुख खरीफ फसल धान का रकबा पिछले साल के मुकाबले 35 फीसदी बढ़ा है। खेती की भाषा में जितने बड़े क्षेत्र में फसल की बोआई या रोपाई होती है, उसे रकबा कहा जाता है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों में कहा गया है कि फसल सत्र 2020-21 (जुलाई-जून) में 315.63 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोआई की गई है। इससे पिछले साल के मुकाबले यह 161.11 लाख हेक्टेयर या 104.25 फीसदी ज्यादा है। इस साल अब तक धान की रोपाई 37.71 लाख हेक्टेयर में हुई है। यह पिछले साल के मुकाबले 9.35 लाख हेक्टेयर या करीब 35 फीसदी ज्यादा है। दलहन का रकबा 13.37 लाख हेक्टेयर या 221.72 फीसदी बढ़कर 18.48 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। तूअर दाल का रकबा पिछले साल के मुकाबले 8.04 लाख हेक्टेयर बढ़कर 9.97 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। उड़द दाल का रकबा बढ़कर 2.75 लाख हेक्टेयर पर और मूंग दाल का रकबा बढ़कर 5.30 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया है। इस बीच मोटे अनाजों का रकबा पिछले साल के मुकाबले करीब 96 फीसदी बढ़कर 47.96 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। कोरोनावायरस महामारी के कारण पॉल्ट्री उद्योग के तबाह होने की वजह से इस साल किसानों को मक्के की अच्छी कीमत नहीं मिल पाई। इसके बावजूद मक्के की बोआई में उनकी रुचि नहीं घटी। मक्के का रकबा दोगुना होकर 31.27 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। तिलहन का रकबा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 69.99 लाख हेक्टेयर या 525 फीसदी बढ़कर 83.31 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। मूंगफली का रकबा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 8.63 लाख हेक्टेयर बढ़कर 18.45 लाख हेक्टेयर हो गया। इस बीच सोयाबीन का रकबा पिछले साल की समान अवधि के 2.66 लाख हेक्टेयर के मुकाबले बढ़कर 63.26 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। इस तरह से सोयोबीन के रकबे में 60.61 लाख हेक्टेयर या 2278.57 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कॉटन का रकबा बढ़कर 71.69 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 44.61 लाख हेक्टेयर या 164.73 फीसदी ज्यादा है। गन्ने की रोपाई करीब 49.69 लाख हेक्टेयर में की गई है। पिछले साल की समान अवधि में 49.03 लाख हेक्टेयर में गन्ने की रोपाई की गई थी। जूट और मेस्टा की बोआई करीब 5.88 लाख हेक्टेयर में की गई है। पिछले साल की समान अवधि में यह बोआई 6.66 लाख हेक्टेयर में हुई थी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को कहा था कि मानसून पूरे देश में पहुंच चुका है और बारिश का वितरण भी अच्छा है। के बाद पहले 25 दिनों में पूरे देश में औसत से 21 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है।

बिजली सुधारों को लेकर भ्रांतियां निराधार, इसका मकसद क्षेत्र को सक्षम बनाना है: आर के सिंह

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

बिजली मंत्री आर के सिंह ने शुक्रवार को सुधारों को लेकर फैलायी जा रही भ्रांतियों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बिजली कानून में प्रस्तावित संशोधन और शुल्क नीति लाने का मकसद केवल क्षेत्र को व्यवहार्य और बाजार में टिके रहने में सक्षम बनाना तथा उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखना है। सिंह ने बिजली कानून में प्रस्तावित संशोधन को लेकर भ्रांतियों को दूर करने के वास्ते राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी भी लिखी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे सिंह ने 'भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, ''भारत अब अधिशेष बिजली वाला देश है। बिजली की ढांचागत सुविधा के मामले में हमारी स्थिति मजबूत है। देश में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में एक लाख मेगावाट बिजली पारेषण किया जा सकता है। हमने इस क्षेत्र में हर चुनौतियों को पूरा किया है लेकिन एक चीज बाकी है, वह है, इस क्षेत्र को व्यवहार्य और बाजार में टिके रहने में सक्षम बनाना।'' उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र में सुधारों (बिजली कानून में प्रस्तावित संशोधन) को लेकर तीन भ्रांतियां फैलायी जा रही है। इसमें राज्य बिजली नियामकों में सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार राज्यों से केंद्र के अपने हाथ में लेने का दावा शमिल है। मंत्री ने साफ तौर पर कहा, '' राज्य विद्युत नियामक आयोग (एसईआरसी) के सदस्यों / चेयरपर्सन की नियुक्ति का अधिकार राज्य सरकारों से लेने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इस प्रकार के दावे पूरी तरह बेबुनियाद है।'' उन्होंने कहा कि इस साल अप्रैल में जारी बिजली संशोधन विधेयक के मसौदे के तहत एसईआरसी के सदस्यों/चेयरपर्सन की नियुक्ति राज्य सरकारें पहले की तरह करती रहेंगी। फिलहाल चयन समिति में एक-एक सदस्य केंद्र और राज्य सरकारों से होते हैं। प्रस्तावित चयन समिति में भी केंद्र और राज्यों से सदस्यों की संख्या समान होगी। मंत्री ने कहा, ''एक मात्र अंतर यह है कि फिलहाल चयन समिति के अध्यक्ष उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं जबकि प्रस्तावित संशोधन में समिति के अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के मौजदा न्यायाधीश में से होंगे।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में अलग-अलग चयन समितियों की जगह एक चयन समिति होगी ।

आईटीसी का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 9प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3,926 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी लिमिटेड को वित्त वर्ष 2019-20 की मार्च तिमाही में एकीकृत आधार पर 3,926.46 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। यह साल भर पहले की इसी तिमाही की तुलना में 9.28 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में उसे 3,592.80 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। हालांकि, आलोच्य अवधि के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 4.93 प्रतिशत कम होकर 12,560.64 करोड़ रुपए पर आ गया। साल भर पहले यह 13,212.19 करोड़ रुपए रहा था। इस दौरान कंपनी का कुल व्यय भी साल भर पहले के 8,760.36 करोड़ रुपए से 3.14 प्रतिशत कम होकर 8,484.93 करोड़ रुपए रह गया। आलोच्य तिमाही के दौरान रोजमर्रा के उपयोग वाली वस्तुओं (एफएमसीजी) की श्रेणी से प्राप्त राजस्व 4.18 प्रतिशत गिरकर साल भर पहले के 9,331.05 करोड़ रुपए की तुलना में 8,940.78 करोड़ रुपए पर आ गया। इस दौरान सिगरेट के कारोबार से प्राप्त राजस्व भी पिछले साल के 6,049.50 करोड़ रुपए की तुलना में 4.94 प्रतिशत गिरकर 5,750.44 करोड़ रुपए पर आ गया। एफएमसीजी (अन्य) कारोबार का राजस्व भी 2.77 प्रतिशत गिरकर 3,190.34 करोड़ रुपए पर आ गया। साल भर पहले की समान तिमाही में यह 3,281.55 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी के एफएमसीजी (अन्य) कारोबार में अनाज, जलपान, भोजन, डेयरी व पेय सामग्रियों के पैकेट वाले उत्पाद, स्टेशनरी उत्पाद, व्यक्तिगत रखरखाव के उत्पाद आदि शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि उसका होटल कारोबार इस दौरान 6.68 प्रतिशत गिरकर 494.76 करोड़ रुपए पर आ गया। कृषि कारोबार से प्राप्त राजस्व 10.04 प्रतिशत गिरकर 1,899.01 करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह पेपरबोर्ड, पेपर व पैकेजिंग श्रेणी का राजस्व 5.10 प्रतिशत कम होकर 1,458.87 करोड़ रुपए पर और अन्य श्रेणी का राजस्व 17.12 प्रतिशत बढ़कर 575.68 करोड़ रुप पर पहुंच गया।

पूरे वित्त वर्ष के हिसाब से आईटीसी का शुद्ध लाभ 2019-20 में 2018-19 के 12,824.20 करोड़ रुपए से 21.52 प्रतिशत बढ़कर 15,584.56 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

फेयर एंड लवली के बाद अब ये कंपनी भी प्रोडक्ट से हटाएगी गोरे जैसे शब्द

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

अमेरिकी अफ्रीकी समुदाय के अश्वेत जार्ज फ्लायड की मौत के बाद दुनियाभर में रंगभेद को लेकर बहस छिड़ गई है। इस बहस ने अब गोरेपन और स्कीन को सुंदर करने वाली क्रीम को भी लपेटे में लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ब्यूटी ब्रैंड अपनी योजना में बदलाव कर रही हैं। हिन्दुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने अपने 45 साल पुराने ब्रैंड फेयर एंड लवली से फेयर शब्द को हटाने का निर्णय लिया। इसके बाद अब इमामी भी फेयर एंड हैंडसम क्रीम से फेयर शब्द को हटा सकती है। इमामी ने कहा कि हम एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में कंज्यूमर के सेंटीमेंट को ध्यान में रखकर काम करते हैं। उनकी जरूरतों पर हमारा फोकस रहता है। हम वर्तमान में आगे के फैसलों का वैल्यूएशन कर रहे हैं। हमारा पूरा फोकस कंज्यूमर सेंटिमेंट्स पर आधारित रहेगा। वहीं, केविन केयर जिसका फेयरएवर क्रीम नाम से प्रोडक्ट मार्केट में उपलब्ध है। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक, कंपनी अभी मौजूदा स्थिति को देखते हुए भविष्य में प्रोडक्ट को लेकर मूल्यांकन करेगी। लॉरियल कंपनी भी अपने ब्रैंड्स से व्हाइट, लाइट और फेयर जैसे शब्दों को हटाएगी। लॉरियल ग्रुप ने अपने सभी स्किन केयर उत्पादों से व्हाइटनिंग, लाइटनिंग और फेयरनेस जैसे शब्दों को हटाने का फैसला किया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि लॉरियल ने स्किन प्रोडक्ट में उपयोग होनेवाले टर्म को लेकर चिंता जताई है और इसे समझा भी है। इसलिए यह फैसला किया गया है। बता दें की कंपनी ने शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर एक वेबिनार रखा था। इसमें कंपनी ने भविष्य के प्रोडक्ट्स को लेकर बात कई बातें कही है। ब्यूटी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एमवे ने फिलहाल इस पर कुछ भी कहने से मना कर दिया है। वहीं डाबर इंडिया के प्रवक्ता आनंद व्यास ने कहा कि अभी कंपनी की तरफ से इस पर कुछ भी कहना मुश्किल है। बता दें कि मार्केट में डाबर इंडिया फेम फेयरनेस ब्लीच बेचती है, जो कि लाइटनिंग और ब्राइटनिंग स्कीन टोन का दावा करती है। फेयर एंड लवली के बाद हिन्दुस्तान यूनिलिवर कंपनी अपने अन्य ब्यूटी ब्रैंड्स जैसे कि डव और पोंड्स से भी वाइटनिंग, लाइटनिंग और ब्राइटनिंग जैसे शब्द को हटाने पर विचार करेगी।

कोविड-19 का असर: वित्त वर्ष 2020 में ईपीएफ सब्सक्राइबर की संख्या में 17.8 लाख की कमी

मुंबई (एजेंसी)।

देश में नए ईपीएफ सब्सक्राइबर की संख्या में गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2019 में कुल नए ईपीएफ सब्सक्राइबर की संख्या एक करोड़ 12 लाख 500 थी। 2020 में यह घट कर 94.7 लाख रह गई यानी इसमें 17.8 लाख की गिरावट दर्ज की गई है। इसका मतलब यह हुआ कि रोजगार की संख्या में कमी आई है। दरअसल ईपीएफओ के इन आंकड़ों से नए रोजगार के बारे में पता चलता है। एसबीआई की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट कहती है कि हालांकि, आंकड़ों की यह सही तस्वीर नहीं है क्योंकि इस तरह के डेटा में बाहर निकलने वाले सदस्यों की भी संख्या शामिल है। यह फिर से कहीं काम करते हैं और फिर से नए सब्सक्राइबर बन जाते हैं। एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि इस पेरोल का निर्माण मौजूदा और नए पेरोल को मिलाकर किया गया है। ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार, देश में वित्त वर्ष 2020 में 28.9 लाख कम नए पेरोल बने हैं। रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2020 में दूसरी बार के पेरोल की संख्या में 12.7 लाख की वृद्धि हुई। एनपीएस कटेगरी में भी राज्य और केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2021 में 7.33 लाख के रोजगार का निर्माण किया। हालांकि, राज्य सरकारों ने वित्त वर्ष 2020 में 55,700 कम एनपीएस बनाए। रिपोर्ट कहती है कि अप्रैल-20 के पेरोल डेटा की तुलना अप्रैल-19 के साथ नहीं की जा सकती है। अप्रैल-19 की तुलना में अप्रैल-2020 में केवल 9त्न फर्स्ट जॉब का निर्माण किया गया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण पर बोले जो रूट- बनाया है यह गेम प्लान

साउथम्पटन। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कहा कि वेस्टइंडीज के पास 'घातक' गेंदबाजी आक्रमण है और आठ जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए उनकी टीम को अच्छी तैयारी करनी होगी। इंग्लैंड को पिछले साल वेस्टइंडीज दौरे पर 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। साउथम्पटन के एजेस बाउल से शुरु होने वाली विजडन ट्रॉफी श्रृंखला को अपने पास बरकरार रखने के लिए वेस्टइंडीज की टीम अपने तेज गेंदबाजों पर ज्यादा भरोसा करेगी। रूट ने बीबीसी स्पोर्ट्स से कहा- हमें वेस्टइंडीज की मजबूती के बारे में पता है। उन्होंने कहा- जो चीज उन्हें खास बनाती है वह है उनका घातक गेंदबाजी आक्रमण। यह जरूरी है कि हम अच्छी तरह तैयारी करें। अपने प्रतिद्वंद्वी कप्तान जेसन होल्डर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा- वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे सम्मानित खिलाडियों में से एक है। होल्डर ने पिछली श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगया था और श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।

अमेरिका की जेसी ने 841 किमी की स्पीड से दौड़ाई थी रेसिंग कार, हादसे में मौत के 10 माह बाद अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अमेरिका की चर्चित जेट कार रेसर जेसी कॉम्ब्स को मरणोपरांत दुनिया में सबसे तेज स्पीड से कार चलाने के रिकॉर्ड से नवाजा गया है। जेसी की मौत 27 अगस्त 2019 को ओरेगॉन के अल्वर्ड डेजर्ट में लैंड-स्पीड रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश के दौरान हुई थी। इस दौरान उनकी जेट पॉवर्ड कार ने 841 किमी प्रति घंटे की स्पीड को पार कर लिया था। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने गुरुवार को इस रिकॉर्ड को अधिकारिक रूप से शामिल करने की घोषणा की। 39 साल की जेसी ने 40 साल पहले अल्वर्ड के ही मरुस्थल में अपनी हमवतन किटी ओ नील के बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ा। किटी ने अपनी तीन पहियों वाली जेट कार से 1976 में 823 किमी प्रति घंटे की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। जेसी के रेसिंग पार्टनर रह चुके टैरी मैडेन ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट किया है। टैरी ने इस रिकॉर्ड की पुष्टि करते हुए कहा, 'आखिरकार जेसी जीत ही गई, जिसके लिए उसने अपनी जान दी। कोई भी रिकॉर्ड उसके जज्बे से बड़ा नहीं हो सकता। यह ऐसा लक्ष्य था, जिसे वह हमेशा पाना चाहती थी। मुझे मेरी साथी पर गर्व है।' टैरी बताते हैं कि जेसी सुबह अलार्म बजने के साथ ही उठते हुए बोली थीं- आओ, आज इतिहास बनाते हैं। यह हमारे लिए एक अद्भुत दिन था, क्योंकि विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए हमारे प्रयास का यह अंतिम अवसर था। इसके बाद जेसी अपनी कार से अल्वर्ड मरुस्थल में रेस के लिए अकेले ही रवाना हुई। जब पूरी तैयारी के साथ उसकी जेट कार ने रफ्तार पकड़ी और देखते ही देखते 841.338 किमी की रिकॉर्ड स्पीड को हासिल कर लिया। तभी तीन पहियों वाली कार के अगले पहिए में तकनीकी खराबी आ गई और कार हादसे का शिकार हो गई। जेसी ने यह कार घर में ही बनाई थी। अमेरिका के हार्नी काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि दुर्घटना के समय कार की स्पीड 885.139 किमी से ज्यादा थी। जेसी की मौत सिर में तेजी से चोट लगने के कारण हुई और उनकी कार में आग लग गई। हालांकि, उन्हें तत्काल बाहर निकाल लिया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया था।' बचपन से रफ्तार की शौकीन जेसी ने 2013 में 640.549 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से नया रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद वह दुनिया की सबसे तेज रफ्तार वाली महिला के नाम से लोकप्रिय हो गई थीं।

डब्लयूडब्ल्यूई के 5 विश्व रिकॉर्ड जो टूटने हैं मुश्किल

जालन्धर (एजेंसी)।

जैसे डब्लयूडब्ल्यूई के मेन इवैंट में अंडरटेकर के नाम पर लगातार 21 साल जीतने का रिकॉर्ड है। वैसे ही कई रैसलर ऐसे हैं जिनके नाम पर ऐसे-ऐसे रिकॉर्ड दर्ज हैं जोकि टूटने नमुमकिन हैं। आइए आपको बताते हैं डब्लयूडब्ल्यूई के 5 रिकॉर्ड जोकि टूटने मुश्किल हैं-

टैज : सबसे छोटा मैच

डब्लयूडब्ल्यूई कमेंट्री के फेम्स चेहरे टैज के नाम पर रैसलिंग का सबसे छोटा मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टैज का यह मैच जैरी द किंग के साथ हुआ था जिसमें वह महज तीन सैकेंड में हार गए थे।

केन : सबसे ज्यादा मैच

रैसलर केन का डैब्यू 1997 में हुआ था। उनका असली नाम ग्लेन जैक्बस है। केन के नाम पर 1420 से ज्यादा फाइट करने का रिकॉर्ड दर्ज है।

ब्रूनो सैममार्टिनो वर्ल्ड टाइटल सबसे लंबे समय तक

ब्रूनो सैममार्टिनो के नाम पर 4040 दिन का वर्ल्ड चैम्पियन रहने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 1963 में इसकी शुरुआत की। ब्रूनो का मैच नेचर ब्वॉय बड्डी रोजर्स के साथ था जिसे उन्होंने महज 48 सेकेंड में जीत लिया।

रिक फ्लेयर और जॉन सीना

डब्लयूडब्ल्यूई के महानतम रैसलर्स में से एक रिक फ्लेयर और जॉन सीना के नाम 16 बार डब्लयूडब्ल्यूई वर्ल्ड चैम्पियनशिप बैल्ट जीतने का रिकॉर्ड है।

मूलाह : 28 साल तक रही क्वीन

महिला रैसलर मूलाह के नाम पर करीब 28 साल तक वुमंस चैम्पियंस रहने का रिकॉर्ड दर्ज है। मूलाह ने पहला मैच 1956 में जीता था।

इंग्लैंड के लिए डेब्यू का मौका तलाश रहे स्पिनर अमर विर्दी ने अल्पसंख्यकों का क्रिकेट में करियर बनाना मुश्किल

नई दिल्ली । इंग्लैंड के स्पिनर अमर विर्दी (21) इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का मौका तलाश रहे हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए 30 सदस्यीय ट्रेनिंग ग्रुप में शामिल किया गया है। अमर विर्दी ने कहा कि इंग्लैंड में अल्पसंख्यकों के लिए क्रिकेट में करियर बनाना थोड़ा मुश्किल है। अमर विर्दी से पहले मोंटी पनेसर इंग्लैंड के लिए खेल चुके हैं। युवा खिलाड़ी टीम में उनकी जगह को पूरा करना चाहता है। विर्दी ने अपने फेवरेट क्रिकेटर के सवाल पर ग्रीम स्वान और मोंटी पनेसर का ही नाम लिया। विर्दी ने कहा, ''मैंने बचपन से ही ग्रीम स्वान और मोंटी पनेसर को खेलते हुए देखा है। मैं इन दोनों से ही मोटिवेट होता हूं। मेरा लगाव पनेसर से ज्यादा है, क्योंकि वे मेरे जैसे ही दिखते हैं। खासकर वे मेरे ही समुदाय (सिख) से आते हैं। हम अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं, जो लगभग सभी इंडस्ट्री में मौजूद हैं। जब आप अपने किसी व्यक्ति को दूसरी फील्ड में बेहतर करता देखते हैं, तो आप भी प्रेरित होते हैं। आपके अंदर भी वही भावना आती है कि जब वह इतना अच्छा कर सकता है, तो आप क्यों नहीं।'' विर्दी ने कहा, ''अल्पसंख्यकों के लिए अपने लोगों के साथ क्रिकेट खेलकर आगे बढ़ना और बड़े क्लब में जगह बनाना बेहद मुश्किल होता है।शुरुआत में मैंने भारतीय जिमखाना जॉइन किया था। शुरुआत में मैंने भारतीय जिमखाना जॉइन किया था। इसमें ज्यादातर एशियाई मूल के ही लोग थे। लेकिन जैसे-जैसे आगे बड़ा तो 12 साल की उम्र में सनबरी क्रिकेट क्लब में दाखिला लेना मुश्किल हो गया था। हालांकि, मेरा यह फैसला आज सही साबित हुआ है।''

पिछले साल हाफ मैराथन में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले जैफरी को मोटरसाइकिल सवार ने पीछे से टक्कर मारी, पैर की हड्डी टूटी

मॉस्को (एजेंसी)।

हाफ मैराथन में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले केन्या के रनर जैफरी कैमवोरोर को एक मोटरसाइकिल सवार ने प्रैक्टिस के दौरान पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में जैफरी की पैर की हड्डी टूट गई और उन्हें सिर में भी चोट आई है। हादसे के वक्त जैफरी अपने घर से कुछ दूर ही सड़क पर रनिंग कर रहे थे। पिछले साल न्यूयॉर्क मैराथन जीतने वाले इस एथलीट ने बताया कि मैं घर से एक किलोमीटर दूर था और रनिंग कर रहा था। तभी पीछे से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने मुझे टक्कर मार दी। मैं सीधे नीचे गिर गया और पैर में चोट लग गई। मोटरसाइकिल सवार ही जैफरी को अस्पताल लेकर पहुंचा। जांच के बाद पता चला कि उनके पैर की हड्डी टूट गई है। डॉक्टरों ने आनन-फानन में पैर की सर्जरी की। गिरने की वजह से उनके सिर में भी सूजन हो गई है। फिलहाल उनकी तबियत ठीक है और उन्हें कुछ दिन अस्पताल में ही रहना पड़ेगा। उनके साथ प्रैक्टिस करने वाले केन्या के वर्ल्ड चैम्पियन इलियुड किपचोगे ने साथी के जल्दी ठीक होने की कामना की है। किपचोगे ने कहा कि दुनिया अनिश्चितताओं से भरी हुई है। मेरे दोस्त के साथ जो हुआ, वो भी इसी का हिस्सा ही है। कैमवोरोर ने पिछले साल हाफ मैराथन में वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा था कैमवोरोर को पोलैंड में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स हाफ मैराथन चैम्पियनशिप के लिए केन्या की टीम में चुना गया था। यह चैम्पियनशिप 17 अक्टूबर को होनी थी। वहीं, वे एक नवंबर को न्यूयॉर्क सिटी मैराथन खिताब बचाने की तैयारियों में भी जुटे थे। हालांकि, आयोजन समिति ने कोरोना की वजह से मैराथन कैंसिल कर दी। हालांकि, आयोजन समिति ने कोरोना की वजह से मैराथन कैंसिल कर दी। पिछले साल सितंबर में उन्होंने कोपेनेहगन हाफ मैराथन में 58 मिनट में रेस पूरी कर वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने पिछले रिकॉर्ड से 22 सेकेंड कम में यह दौड़ पूरी की थी।

संक्षिप्त समाचार

भारत के शीर्ष टेटे खिलाड़ियों ने कोरोना संकट के बीच मदद के लिये जुटाया फंड

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष खिलाड़ी शरत कमल और जी साथियान कोरोना वायरस से उत्पन्न हुए संकट से टेबल टेनिस जगत के सदस्यों की मदद के लिए 10 लाख रुपए जुटाने के करीब हैं। इससे कम से कम 100 लोगों की मदद हो सकती है। इस अभियान में पूर्व खिलाड़ी नेहा अग्रवाल भी उनकी सहायता कर रही हैं। तीनों ने मिलकर चार दिन के अंदर सात लाख रूपये जुटा लिये हैं। वित्तीय मदद खिलाडियों, कोचों और अंपायरों को दी जाएगी। शरत ने कहा- साथियान ने यह विचार दिया क्योंकि उसने अपने साथ के कुछ खिलाडियों की दुर्दशा के बारे में सुना जो कोच बन गए हैं। उनके पास इस मौजूदा संकट के कारण कोई काम नहीं है। इसलिए हमने सोचा कि हम कम से कम इतना तो कर सकते हैं। दुनिया के 31वें नंबर के खिलाड़ी शरत ने कहा- अभी तक अच्छा रहा और हम 100 से ज्यादा लोगों की भी कर सकते हैं। जब हम 10 लाख रूपये जुटा लेंगे, इसके बाद फैसला करेंगे। उम्मीद है कि दो तीन दिन में हम ऐसा कर लेंगे।

फीडे स्पीड महिला शतरंज - सेमीफ़ाइनल मे उक्रेन की उशेनिना से हारी वैशाली

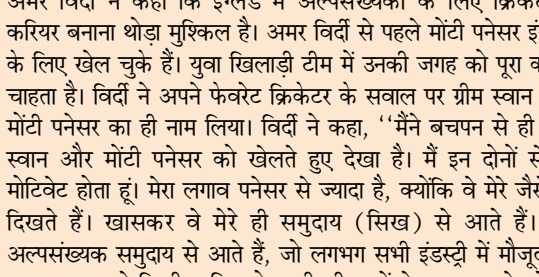

मॉस्को (एजेंसी)।

फीडे महिला स्पीड शतरंज की पहली ग्रां प्री मे भारत की नंबर 3 महिला शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली को उक्रेन की अन्ना उशेनिना के हाथो बेहद रोमांचक मुक़ाबले मे अंत मे जाकर हार का सामना करना पड़ा है पर उन्होने एक बार फिर अपने जुझारू खेल से सभी को बेहद प्रभावित किया है । इस टूर्नामेंट मे स्विस चरण से एलकर अब तक अपने बेहद शानदार प्रदर्शन से वैशाली नें सभी को बेहद प्रभावित किया था और सेमी फ़ाइनल तक पहुँचने वाली वह अकेली भारतीय रही । सेमी फ़ाइनल के मुक़ाबले मे हालांकि वैशाली नें अन्ना को जोरदार टक्कर दी पहले सात मुक़ाबले मे 5+1 और 3+1 ब्लिट्ज़ मुकाबलों मे बढ़त हासिल कर ली थी और वह 4-3 से आगे चल रही थी ऐसे मे 1+1 के अंतिम तीन बुलेट मुकाबलों मे परिणाम उशेनिना के पक्ष मे चला गया और उन्होने लगातार दो जीत दर्ज करते हुए 5-4 से बढ़त बना ली अंतिम बुलेट मुक़ाबला ड्रॉ रहा और इस तरह वैशाली की टूर्नामेंट से विदाई हो गयी ।

इस जीत से अन्ना अब ग्रां प्री के फ़ाइनल मे पहुँच गयी है जहां उनके सामने रूस की गुनिना वालेंटीना होंगी जो की हमवतन पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक को 9-3 के बड़े अंतर से जीतकर फ़ाइनल मे पहुंची है । खैर आपको बता दे की अभी तीन ग्रां प्री और होनी है और वैशाली दो बार और इसमें खेलते नजर आएंगी जानने लायक बात यह है की अगली दो बार उनका मुक़ाबला भारत की वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी से होगा।

जेमिमा रॉड्रिग्स का खुलासा- क्रिकेटर न होती तो इस गेम की होती राष्ट्रीय प्लेयर

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार प्लेयर जेमिमा रॉड्रिग्स का कहना है- अगर वह क्रिकेटर न होती तो यकीनन हॉकी प्लेयर बनतीं। एक कार्यक्रम के दौरान रॉड्रिग्स ने कहा- 7-8 साल की उम्र मैं बांद्रा में चर्च के पादरी की बेटी के साथ हॉकी खेलती थी। 11 साल की उम्र में मैं महाराष्ट्र के लिए अंडर-17 टीम में आ गई। मुंबई जब अलग टीम बनी तो मैंने मुंबई अंडर-19 के लिए खेला। मेरे माता-पिता को भी लग रहा था कि मैं हॉकी में करियर बनाऊंगी। रोड्रिग्स ने हॉकी खेल में आती दिक्कतों पर बात करते हुए कहा- इस खेल के पास न तो पर्याप्त पैसा है न ही सुविधाएं। मुझे याद है जब हम एक मैच के लिए छत्तीसगढ़ गए थे। 24-घंटे का वह सफर था। हम 18 लड़कियां थे और हमारे पास सेकेंड क्लास की सिर्फ 4 टिकटें थीं। टूर्नामेंट के दौरान सभी 18 लड़कियों को एक ही क्लासरूम में ठहराया गया था। बाथरूम सबसे खराब थे- हमें हमारे चेहरे पुरुष मूत्रालय (मेन्स यूरीनल) में लगे पाइप से आने वाले पानी से धोना पड़ता था! लेकिन मुझे हॉकी पसंद थी। मैं इसी में बनी रहना चाहती थी। रोड्रिग्स ने कहा- हालांकि उस दौर में मैं हॉकी के साथ क्रिकेट भी खेला करती थी। उस साल मैंने अच्छा क्रिकेट खेला। मैं राज्य स्तर पर आ गई थी। आखिरकार, मेरे पिताजी मुझे एक किनारे ले गए और मुझसे कहा कि मुझे किसी एक को चुनना होगा। यह बहुत मुश्किल फैसला था। लेकिन उस समय, हॉकी की तुलना में क्रिकेट में मेरा चयन उच्च स्तर पर हो गया था, इसलिए मैंने क्रिकेट में आगे बढने का फैसला कर लिया। रोड्रिग्स ने साफ किया कि उनकी मां को अभी भी उनकी हॉकी की प्रतिभा पर भरोसा है। रोड्रिग्स ने साफ किया कि उनकी मां को अभी भी उनकी हॉकी की प्रतिभा पर भरोसा है। उनका कहना है- मुझे आज भी लगता है जेमिमाह देश के लिए हॉकी खेल सकती है। रॉड्रिग्स हंसते हुए कहती हैं- मेरी मां को जितना भरोसा मुझ पर है उतना तो मुझे भी खुद पर नहीं है!

कोरोना के डर से शिमरॉन हेटमायर ने लिया था नाम वापस, अब हो रही आलोचना

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज एंडी रॉबर्ट्स ने कोविड-19 महामारी के बीच स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण इंग्लैंड के दौरे से हटने का फैसला करने वाले बल्लेबाज शिमरॉन हेटमायर की आलोचना की। सीनियर बल्लेबाज डेरेन ब्रावो के साथ हेटमायर ने इंग्लैंड दौरे से हटने का फैसला किया जिससे रोजर हार्पर की अगुवाई वाली चयन समिति को आखिरी मिनट में टीम में बदलाव करना पड़ा। रोबर्ट्स ने माइकल होल्डिंग के यू-ट्यूब चैनल पर कहा, 'वह बल्लेबाजी का अभिन्न अंग होते। जब तब हम उसकी बल्लेबाजी को नापसंद नहीं करते तब तक वह टीम के भविष्य का बल्लेबाज है। किसी को हेटमायर को यह बात समझानी होगी कि आप पवेलियन में बैठकर रन नहीं बना सकते। तेज गेंदबाजी में 70 और 80 के दशक में रोबर्ट्स के जोड़ीदार रहे होल्डिंग ने भी दोनो बल्लेबाजों के कदम को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। रोबर्ट्स ने कहा, 'वेस्टइंडीज के बल्लेबाज गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाने पर विश्वास रखते है और उनके लिए क्षेत्ररक्षकों के बीच में खेल कर रन बनाना चुनौती की तरह होगा। रोबर्ट्स ने कहा, 'वेस्टइंडीज के बल्लेबाज गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाने पर विश्वास रखते है औरउनके लिए क्षेत्ररक्षकों के बीच में खेल कर रन बनाना चुनौती की तरह होगा। उनके लिए क्षेत्ररक्षकों के बीच में खेल कर रन बनाना चुनौती की तरह होगा।

मल्होत्रा ने रीजीजू से अटार्नी जनरल नियुक्त कर न्यायालय में अपील का अनुरोध किया

नयी दिल्ली। ओलंपिक से एक साल पहले 54 राष्ट्रीय खेल महासंघों की मान्यता रद्द करने से चिंतित अखिल भारतीय खेल परिषद के अध्यक्ष वीके मल्होत्रा ने खेल मंत्रालय से अटार्नी जनरल (एजी) नियुक्त करने और दिल्ली उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में तुरंत अपील करने का अनुरोध किया। खेल मंत्रालय ने गुरूवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार 54 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) की सालाना अस्थायी मान्यता वापस ले ली जिसने उसे अगले आदेश तक यथास्थिति बनाये रखने को कहा था। खेल मंत्री किरेन रीजीजू को लिखे पत्र में मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब खेल जगत कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है और इसके भारतीय खिलाड़ियों की अगले साल होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारियों पर विपरीत असर पड़ सकता है। इस अनुभवी खेल प्रशासक ने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ और अंतरराष्ट्रीय महासंघों ने अपनी मान्यता वापस नहीं ली है। मल्होत्रा ने पत्र में लिखा, ''इसे देखते हुए मैं आपसे इस मामले को पेश करने के लिये अटार्नी जनरल/सोलिसिटर जनरल नियुक्त करने का अनुरोध करूंगा जो तुरंत उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में उच्च न्यायालय के देश में सभी खेल महासंघों की मान्यता को वापस लेने के निर्देश को रद्द करने लिये अपील करें। ''

चेतेश्वर पुजारा का खुलासा- राहुल द्रविड़ के दिए इस गुरुमंत्र ने सवार दी जिंदगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का कहना है कि क्रिकेट से ध्यान हटाकर निजी जिंदगी के लिए समय महत्व के बारे में बताने के लिए वह पूर्व दिग्गज राहुल द्रविड़ के हमेशा आभारी रहेंगे। पुजारा ने कहा कि उनके जीवन पर द्रविड़ के प्रभाव को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। पुजारा ने कहा कि वह व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को अलग रखने के तरीके को सिखाने के लिए द्रविड के शुक्रगुजार है। पुजारा ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा- मुझे क्रिकेट से दूर रहने के महत्व को समझने में मदद की। मेरे पास एक ही विचार था, लेकिन जब मैंने उससे बात की तो उन्होंने मुझे इसके बारे में बहुत स्पष्टता के साथ बताया। मुझे ऐसी सलाह की जरूरत थी। द्रविड़ ने 164 टेस्ट में 13288 रन और 344 वनडे में 10889 रन बनाए। उन्होंने 79 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी भी की, जिनमें से 42 में टीम को सफलता मिली। उनके नाम रनों का पीछा करते हुए लगातार 14 जीत दर्ज करने का विश्व रिकॉर्ड भी है। उनके नाम रनों का पीछा करते हुए लगातार 14 जीत दर्ज करने का विश्व रिकॉर्ड भी है। पुजारा ने कहा- मैंने काउंटी क्रिकेट में भी देखा कि कैसे वे व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को अलग रखते हैं। मैं उस सलाह को बहुत महत्व देता हूं। बहुत से लोग मानते हैं मैं अपने खेल पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देता हूं। हां, मैं ऐसा हूं, लेकिन मुझे यह भी पता है कि कब पेशेवर जीवन से दूरी बनानी है। क्रिकेट से परे भी जीवन है।

कोरोना काल में होगी तीरंदाज दीपिका-अतनु दास की शादी, समाजिक दूरी का रखा जाएगा खास ख्याल

कोलकाता। शीर्ष भारतीय तीरंदाज दीपिका कुमारी और अतनु दास की मंगलवार को रांची के मोराबादी में होने वाली शादी के दौरान मास्क, सैनिटाइजर और सख्त सामाजिक सुरक्षा के उपाय किए जाएंगे। शादी के कार्ड में भी कोविड-19 महामारी से जुड़े सरकार के निर्देशों को पालन करने की गुजारिश की गई है। दीपिका ने कहा, 'मेहमानों के आने पर मास्क, सैनिटाइजर दिए जाएंगे। हमने विस्तृत व्यवस्था की है, एक बड़ा बैंक्वेट हॉल बुक किया है ताकि सामाजिक दूरी का पालन ठीक से हो सके। उन्होंन कहा, 'हम किसी भी चीज को छुएंगे नहीं। हम खुद को और दूसरों को सुरक्षित रखना चाहते है। दीपिका ने कहा कि सिर्फ 60 निमंत्रण कार्ड छपे है और मेहमानों को रिसेप्शन में शामिल होने के लिए शाम को दो अलग-अलग समय दिए गए हैं। इस दौरान परिवार के सदस्य घर पर ही रहेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने मेहमानों के लिए दो अलग-अलग समय तय किये हैं। पहले बैच के 50 लोग शाम 5.30 बजे से सात बजे तक आयेंगे और बाकी के 50 मेहमान इसके बाद आयेंगे। मेहमानों के वहां रहने तक परिवार के लोग घर में रहेंगे। भारतीय तीरंदाजी संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के इस समारोह में शामिल होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवसेना का भाजपा पर साधा निशाना

शिवसेना ने राजीव गांधी फाउंडेशन को धन मिलने के आरोप को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

मुंबई।

शिवसेना ने राजीव गांधी फाउंडेशन(आरएफजी) को चीनी दूतावास से धन मिलने संबंधी आरोपों के लिए भाजपा पर शनिवार को निशाना साधा और यह पूछा कि क्या यह मुद्दा किसी भी प्रकार से पड़ोसी मुल्क के लद्दाख पर अतिक्रमण और 20 भारतीय सैन्यकर्मियों की शहादत से जुड़ा हुआ है। भाजपा प्रमुख जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा था कि आरजीएफ ने चीनी दूतावास से दान लिया था। कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कहा था कि भाजपा ने आरजीएफ का जो मुद्दा उठाया है वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) संकट से ध्यान भटकाने के लिए ''गढ़े हुए आरोप और ''भटकाने का तरीका है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना के संपादकीय में लिखा, ''इस बात से आपका क्या मतलब है कि कांग्रेस को चीन से पैसा मिलता है? चीन के आक्रमण के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी ने जो मुद्दे उठाए हैं, उनका जवाब देने के बजाए भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर चीन से धन लेने के आरोप लगाए। संपादकीय में कहा गया, ''क्या दान लेने के भाजपा के खुलासे से चीन की सीमा पर गतिविधियां रुक जाएंगी? भाजपा को बताना चाहिए कि राशि मिलने का संबंध किस प्रकार से चीन के आक्रमण और 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने से है। संपादकीय में कहा गया,'' हमारे देश में केवल कांग्रेस ही नहीं कई नेताओं और दलों को विदेशों से लाभ मिलता है। भाजपा का इस बारे में बोलना 'कीचड़ में पत्थर फेंकने जैसा है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग पिछले छह वर्षों में दो बार भारत आए हैं। इसमें कहा गया,'' गुजरात में उनकी मेजबानी की गई। लेकिन सच्चाई यह है कि चीन ने धोखा दिया है। एक तरफ वार्ता करना और दूसरी तरफ सीमा पर आक्रामकता दिखाना चीन की पुरानी नीति है। इसमें कहा गया,'' वर्तमान परिदृश्य में पूरा देश दृढ़ता से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। यह भाजपा

अथवा कांग्रेस भर का संकट नहीं है बल्कि पूरे देश का संकट है, जिसकी प्रतिष्ठा दांव पर है। शिवसेना ने कहा,'' भाजपा बाद में किसी भी वक्त कांग्रेस से लड़ सकती है, लेकिन यह वक्त चीन से लड़ाई लड़ने का है। उसे उस पर बात करनी चाहिए।

दिल्ली: राधा स्वामी में बने कोविड केयर सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे शाह: केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस बेकाबू होता जा रहा है। राजधानी में लगातार कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को छतरपुर में स्थित अस्थायी कोविड केयर सेंटर राधा स्वामी बेस का निरीक्षण किया। बता दें कि कोरोना से लड़ने के लिए दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार ने मिलकर छतरपुर में 10,000 बेड का कोविड केयर सेंटर का निर्माण किया है, यहां कोरोना से संक्रमित लोगों को क्वारंटीन किया जाएगा। इसकी कमान आईटीबीपी के पास है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य और किसानों की मदद करे मोदी सरकार: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश के कई प्रदेशों में टिड्डियों के दल से हुए फसलों के नुकसान को लेकर शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को संबंधित राज्यों एवं किसानों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ''टिड्डी दल ने हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में फसल को नष्ट कर दिया है। भारत सरकार को राज्यों और इस समस्या के कारण नुकसान उठाने वाले किसानों की मदद करनी चाहिए। गौरतलब है कि देश के कई हिस्सों में कहर मचा चुके टिड्डी दल अब दिल्ली से सटे हरियाण के गुरुग्राम पहुंच गए हैं और यहां शनिवार को अनेक स्थानों पर आसमान में टिड्डियों का जाल सा छा गया।

चीन ने 1962 के युद्ध के बाद से 45,000 वर्ग किमी भारतीय जमीन पर किया कब्जा: पवार

मुंबई। चीन के साथ तनातनी को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप प्रत्यारोप के बीच राकांपा प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह कोई नहीं भूल सकता कि चीन ने 1962 के युद्ध के बाद भारत की 45,000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर लिया था। पवार की टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस आरोप पर थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन की आक्रामकता के चलते भारतीय क्षेत्र को सौंप दिया। उन्होंने यह भी कहा कि लद्दाख में गलवान घाटी की घटना को रक्षा मंत्री की नाकामी बताने में जल्दबाजी नहीं की जा सकती क्योंकि गश्त के दौरान भारतीय सैनिक चौकन्ने थे। यहां पत्रकारों से बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पूरा प्रकरण ''संवेदनशील प्रकृति का है। गलवान घाटी में चीन ने उकसावे वाला रुख अपनाया। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में 15 जून को चीन के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत संचार उद्देश्यों के लिए अपने क्षेत्र के भीतर गलवान घाटी में एक सड़क बना रहा था। पवार ने कहा, ''उन्होंने (चीनी सैनिकों ने) हमारी सड़क पर अतिक्रमण करने की कोशिश की और धक्कामुक्की की। यह किसी की नाकामी नहीं है। अगर गश्त करने के दौरान कोई (आपके क्षेत्र में) आता है, तो वे किसी भी समय आ सकते हैं। हम यह नहीं कह सकते कि यह दिल्ली में बैठे रक्षा मंत्री की नाकामी है। हम यह नहीं कह सकते कि यह दिल्ली में बैठे रक्षा मंत्री की नाकामी है। उन्होंने कहा, ''वहां गश्त चल रही थी। झड़प हुई इसका मतलब है कि आप चौकन्ना थे।

लॉकडाउन में रेलवे ने पूरी कीं 200 लंबित परियोजनाएं, बढ़ेगी ट्रेनों की स्पीड

नई दिल्ली। रेलवे ने लॉकडाउन के दौरान ट्रेनों की बेहद कम आवाजाही का फायदा उठाते हुए 200 अति महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं का काम पूरा कर लिया है। लॉकडाउन के शुरुआती चरणों में यात्री ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह बंद था। मौजूदा समय में भी मात्र 230 विशेष यात्री ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी का लाभ उठाते हुए रेलवे ने 200 लंबित परियोजनाओं को पूरा कर लिया। इनमें कई परियोजनायें सुरक्षा और ट्रेनों की गति बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होंगी। आम समय में ऐसा करने के लिए सामान्यतः यातायात रोकना पड़ता है जिससे यात्रियों को भारी परेशानी होती है। कई बार मेगा ब्लॉक लगने पर बड़ी संख्या में ट्रेनें रद्द भी करनी पड़ती हैं। रेल मंत्रालय ने बताया कि ये परियोजनायें यार्डों में बदलाव, पुराने पुलों की मरम्मत, रेल लाइनों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण तथा 'सीजर क्रॉसओवर पर रेलवे ट्रैक बदलने से संबंधित थीं जो कई सालों से लंबित पड़ी थीं। इनके कारण ट्रेनों की गतिबढ़ाने में दिक्कत आ रही थी। साथ ही सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी थीं ।? बढ़ाने में दिक्कत आ रही थी। साथ ही सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी थीं ।? लॉकडाउन के दौरान 82 पुराने रेल पुलों की मरम्मत की गई। कम ऊंचाई वाले 48 रोड अंडरब्रिज या सबवे और 16 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण/मरम्मत की गई। चौदह पुराने फुट ओवरब्रिज हटाए गए, सात रोड ओवर ब्रिज का काम पूरा किया गया और पांच यार्डों को नया स्वरूप दिया गया। एक परियोजना रेल पटरी के दोहरीकरण और विद्युतीकरण से जुड़ी है। इनके अलावा 26 अन्य परियोजनाओं को भी पूरा किया गया। चौदह पुराने फुट ओवरब्रिज हटाए गए, सात रोड ओवर ब्रिज का काम पूरा किया गया और पांच यार्डों को नया स्वरूप दिया गया। एक परियोजना रेल पटरी के दोहरीकरण और विद्युतीकरण से जुड़ी है। इनके अलावा 26 अन्य परियोजनाओं को भी पूरा किया गया।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप, सोनिया गांधी बताएं चीन के साथ संबंध

नई दिल्ली।

चीनी दूतावास के जरिए राजीव गांधी फाउंडेशन को मिले डोनेशन के आरोपों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस से और खासतौर से राजीव गांधी फाउंडेशन से जुड़े लोगों पर सवाल उठाते हुए कहा कि निजी ट्रस्ट में विदेश में पैसा लेना गलत है, ये पैसा क्यों लिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बताए कि 2005 से 2009 तक राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से कितने पैसे मिले? इसके साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कांग्रेस पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच क्या संबंध हैं। नड्डा ने कहा कि चीन कोरोना वायरस संकट की आड़ में सोनिया गांधी को उन सवालों से नहीं बचना चाहिए जो देश जानना चाहता है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी बताएं कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 2004 में 1.1 अरब डॉलर का था जो बढ़कर 2013-14 में 36.2 अरब डॉलर हो गया, इसके एवज में कांग्रेस को क्या लाभ मिला? नड्डा ने पूछा कि कांग्रेस मेहुल चौकसी से क्या संबंध हैं यह बताए। जनता का पैसा राजीव गांधी फाउंडेशन में क्यों भेजा। लक्जमबर्ग से फाउंडेशन में पैसा क्यों आया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपनी सरकार में क्या किया। जनता सब जानती है।

फाउंडेशन का चीन से क्या संबंध हैं। फाउंडेशन का पैसा प्राइवेट ट्रस्ट में क्यों?

इन तीन राज्यों में हैं देश के 72 फीसदी कोरोना के मामलें, अब तक 15,685 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) से सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र, दिल्ली और गुजरात में हुई हैं और राष्ट्रीय राजधानी एवं इन दोनों राज्यों में इस वायरस से अब तक 11,369 लोगों की मौत हो गई है जो देशभर में कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या का 72.48 फीसदी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 18,552 नये मामले दर्ज किये गये हैं, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,08,953 हो गई है। देश में अब तक इस महामारी से कुल 15,685 लोगों की मौत हुई है तथा 2,95,881 लोग स्वस्थ हुए हैं। देश में इस समय कोरोना के 1,97,387 सक्रिय मामले हैं। तमिलनाडु में कुल संक्रमितों की संख्या अब 74,622 पहुंच गई है और अब तक इस वायरस से 957 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 41,357 लोगों को उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। देश का पश्चिमी राज्य गुजरात कोविड-19 के संक्रमितों की संख्या मामले में चौथे स्थान पर है, लेकिन मृतकों की संख्या के मामले में यह महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद तीसरे स्थान पर है। गुजरात में अब तक 30,098 लोग वायरस से संक्रमित हुए हैं तथा 1771 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 22,030 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के अब तक 20,943 मामले सामने आए हैं तथा इस वायरस से 630 लोगों की मौत हुई है जबकि 13,583 मरीज स्वस्थ हो गए हैं। राजस्थान में भी कोरोना का प्रकोप जोरों पर है और यहां संक्रमितों की संख्या 16,660 हो गयी है और अब तक 380 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13,062 लोग पूरी तरह ठीक हुए है। पश्चिम बंगाल में 16,190 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं तथा 616 लोगों की मौत हुई है ।

गुजरात में कांग्रेस को झटका, पांच पूर्व विधायकों ने थामा भाजपा का दामन

अहमदाबाद। गुजरात से कांग्रेस के पांच पूर्व विधायक शनिवार को भाजपा में शामिल हो गये। राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के आठ विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था और इनमें से पांच ने आज भाजपा का दामन थाम लिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जीतू वाघाणी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जीतू चौधरी, प्रद्युम्नसिंह जाडेजा, जे वी काकड़िया, अक्षय पटेल और बृजेश मेरजा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। निर्वाचन आयोग ने जैसे ही राज्यसभा चुनाव की नई तारीख 19 जून का एलान किया था, उसके कुछ दिन के बाद ही पटेल, मेरजा और चौधरी ने इस्तीफा दे दिया था। जाडेजा और काकड़िया ने मार्च में विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। गुजरात में राज्यसभा चुनाव पहले 26 मार्च को होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर देशभर में लगाये गये लॉकडाउन के चलते इसे टाल दिया गया था । भाजपा ने शामिल हुए इन पूर्व विधायकों का पार्टी में स्वागत करते हुए वाघाणी ने कहा कि उनकी मौजूदगी स्थानीय स्तर पर पार्टी को मजबूती प्रदान करेगी।

उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि इन सभी विधायकों के इस्तीफे से रिक्त हुई विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा अपनी जीत का परचम लहराएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कमजोर नेतृत्व के चलते इन विधायकों ने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''यह पहला मौका नहीं है। इससे पहले भी कई मौकों पर राज्य में कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा का दामन थामा है। लगातार ऐसा होने के बावजूद, कांग्रेस यदि भाजपा को जिम्मदार ठहराती है तो मैं उन्हें कहना चाहूंगा कि वे गुजरात में अपनी दुकान बंद कर दें। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस में नेतृत्व का अभाव है और गुटबाजी भी है। विधायकों के इस्तीफे के लिए कांग्रेस खुद जिम्मेदार है। गत मार्च में कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले तीन अन्य विधायकों में सोमा पटेल, प्रवीण मारू और मंगल गावित शामिल हैं।

मोदी की चुप्पी पर राहुल ने उठाए सवाल, महामारी के सामने पीएम ने किया सरेंडर : कांग्रेस

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के मोदी सरकार पर हमले आए दिन तेज होते जा रहे हैं। अब देश में कोरोना वायारस के बढ़ते मामलों को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा आरोप लगाया है। राहुल गांधी के अनुसार कोरोना के खिलाफ लड़ाई में पीएम मोदी ने सरेंडर कर दिया है। राहुल गांधी ने शनिवार को ट्वीट कर लिखा कि तेजी से फैल रहे कोरोना को हराने के लिए सरकार के पास योजना नहीं है। देश के कई नए हिस्सों में कोरोना तेजी से फैल रहा है, जिसे लेकर पीएम मोदी मौन है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पीएम ने महामारी के सामने आत्मसमर्पण और इससे निपटने से इंकार कर दिया है। बता दें कि पेट्रोल-डीजल के दामों और कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार को घेरते आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से पेट्रोल-डीजल के दामों और कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार को घेरते आ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में पेट्रोल-डीजल की तुलना लॉकडाउन से करते हुए कहा था कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अनलॉक कर दिया है।

चीन के खिलाफ पीएम मोदी का साथ देगी कांग्रेस, सिब्बल बोले- खुलकर करो विरोध

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन द्वारा हमारे क्षेत्र में घुसपैठ और कब्जा करने की खुल कर निंदा करें तथा देश को बताएं कि कब्जा करने वालों को पीछे हटाया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने कहा कि भारत की एक इंच जमीन भी चीन के कब्जे में नहीं जानी चाहिए। अपने क्षेत्र की रक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री के साथ पूरा देश खड़ा है। सिब्बल ने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कूटनीति और आर्थिक कदमों के माध्यम से इस मामले में सफलता मिलने वाली है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह सैन्य कार्रवाई की पैरवी कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मैं सैन्य कार्रवाई का संकेत नहीं दे रहा हूं। मैं सिर्फ त्वरित कार्रवाई यानी त्वरित समाधान की बात कर रहा हूं। फैसला सरकार को करना है। उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि न कोई हमारी सीमा में घुसा है, और न ही हमारी किसी चौकी पर कब्जा हुआ। जबकि कई रक्षा विशेषज्ञ उपग्रहों के जरिए ली गई तस्वीरों के हवाले से कुछ और कह रहे हैं। सिब्बल ने दावा किया कि चीनी सैनिकों ने गलवान घाटी के कई हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। यह पहली बार है कि चीन ने पूरी गलवान घाटी पर दावा किया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान वाई जंक्शन पर चीन के सैनिकों का कब्जा है। जिस स्थान पर हमारे जवान शहीद हुए, उसी जगह पर चीनी सैनिकों ने टैंट बना लिया है और दूसरे निर्माण कार्य कर लिए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री चीन की ओर से हमारे क्षेत्र में घुसपैठ की खुलकर निंदा क्यों नहीं करते? हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री चीन की इस घुसपैठ की निंदा करें। हम सब उनके साथ हैं। उन्होंने आग्रह किया कि प्रधानमंत्री जी आप देश को संबोधित करें और देश को कहें कि हमारी मातृभूमि पर कब्जा करने वालों को पीछे हटाकर रहेंगे। पूरा देश आपके साथ खड़ा रहेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री चीन की ओर से हमारे क्षेत्र में घुसपैठ की खुलकर निंदा क्यों नहीं करते? हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री चीन की इस घुसपैठ की निंदा करें। हम सब उनके साथ हैं। उन्होंने आग्रह किया कि प्रधानमंत्री जी आप देश को संबोधित करें और देश को कहें कि हमारी मातृभूमि पर कब्जा करने वालों को पीछे हटाकर रहेंगे। पूरा देश आपके साथ खड़ा रहेगा।

कल्याण–डोंबिवली में धारावी जैसा हाल, कोरोना मरीजों की संख्या 5 हजार के पार

कल्याण, (एजेंसी)। कल्याण–डोंबिवली कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले में मुंबई के धारावी जैसा बन गया है. यहां कोरोना अपनी रफ़्तार में है. आलम यह है कि कोरोना मरीजों की कुल संख्या 5 हजार के पार पहुँच गयी है तथा हर दिन कोरोना के नए रेकार्ड कायम हो रहे हैं. शनिवार को कोरोना के एक दिन में सबसे ज्यादा 436 मरीज पाए गए हैं तथा कल्याण–डोंबिवली शहर में हाहाकार मचा हुआ है. प्रशासन द्वारा शनिवार से थोड़ा सख्ती दिखाई जा रही है और कन्टेंटमेंट जोन को सील कर दिया गया है. साथ ही इन क्षेत्रों के नागरिकों को यह हिदायत दी गयी है की इस क्षेत्र से बाहर न कोई जाए और न ही कोई इन क्षेत्रों के भीतर आए अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी। बहरहाल

शनिवार के आंकड़े बेहद डरावने हैं, 24 घंटे के भीतर कुल 436 नए मरीज, 5 लोगों की मौत और अब तक कोरोना से संक्रमित कुल मरीजों की संख्या 5309 पर पहुंच गया है. यानि कल्याण–डोंबिवली की हालत धारावी से भी बदत्तर हो चली है. हालांकि बेहतर उपचार के चलते अबतक 2129 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 3079 मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है.

जबकि अब तक कुल 101 लोगों की मौत हो चुकी है. आश्चर्य की बात यह है कि तीन महीने के बावजूद अब तक प्रशासन किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुँच सका है जिससे कि नागरिकों के प्राण की रक्षा या सुरक्षा हो सके.

सुशांत के नाम पर बनेगा फाउंडेशन, मेमोरियल में तब्दील होगा पटना वाला घर

मुंबई (एजेंसी)। बॉलिवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के परिवार ने फैसला किया है कि उनके नाम से 'सुशांत सिंह राजपूत फाउंडेशन' की स्थ. ापना की जाएगी। इसके जरिए सुशांत के दिल के करीब वाली चीजों जैसे सिनेमा, साइंस और स्पोर्ट्स से जुड़ने वाली युवा प्रतिभाओं को सपोर्ट किया जाएगा। पटना के राजीव नगर में स्थित सुशांत के बचपन वाले घर को मेमोरियल में तब्दील किया जाएगा।

यहां पर फैंस के लिए दिवंगत एक्टर से जुड़ी पस. 'नल चीजों को रखा जाएगा। इनमें हजारों किताबें, उनका टेलिस्कोप, फ्लाइट सिमुलेटर आदि शामिल हैं।

अब से सुशांत का परिवार ही उनके इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक पेज को मेनटेन करेगा जिसके जरिए उनकी यादों को जिंदा रखा जाएगा। यह सारी जानकारी परिवार की तरफ से एक जारी एक गुडबाय मेसेज में दी गई है।

इस मेसेज में सुशांत के बारे में लिखा गया है कि वह कितने उत्साही, बातचीत करने वाले और अविश्वसनीय थे।

वह हर चीज के लिए जि. ज्ञासु थे। वह सपने देखते थे और उनका पीछा करते थे। वह उदारता के साथ मुस्कुराते थे। वह परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा थे। मेसेज में लिखा है कि हम यह स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं कि अब हम सुशांत की हंसी सुन नहीं पाएंगे। उनके नुकसान ने हमेशा के लिए परिवार में एक खालीपन कर दिया है जो कभी भर नहीं सकता है। इसके साथ ही मेसेज में इतने प्यार के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिल्मी दुनिया

सरोज खान के स्वास्थ्य में आया सुधार, जल्द हो सकती हैं अस्पताल से डिस्चार्ज, कोरोना रिपोर्ट भी आई नेगेटिव

बॉलीवुड । कोरियोग्राफर सरोज खान की ओर से राहत की खबर सामने आई है। सरोज सांस लेने की तकलीफ के चलते शरिवार बांद्रा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उनकी कोरोना रिपोर्ट भी ली गई थी। अब हाल ही में उनकी कोरोना रिपोर्ट सामने आ गई हैं और वो इस संक्रमण के खतरे से बाहर हैं। साथ ही खबर है कि अब उन्हें सांस लेने में दिक्कत भी नहीं हैं। कुणाल ने बुधवार को ट्वीट कर बताया कि उन्होंने सरोज खान के बेटे राजू खान से बात की, जिन्होंने अपनी मां के स्वास्थ्य को लेकर अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि 'मास्टरजी' अब ठीक हैं और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल ले जाया गया था, कोरोना नहीं है, अब वो बेहतर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरोज खान एक दो दिन में किसी भी टाइम डिस्चार्ज हो सकती हैं। बता दें सरोज बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी मानी कोरियोग्राफर है और वो अबत तक दो हजार से ज्यादा फिल्मी गानों को कोरियोग्राफ कर चुकी हैं।

सारा ने सुशांत से सीखी एक्टिंग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान का कहना है कि उन्होने सुशांत सिंह राजपूत की मदद से एक्टिंग सीखी और वह मददगार थे।सारा अली खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह सुशांत सिंह राजपूत के काम की सराहना करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'केदारनाथ' सारा अली खान की पहली फिल्म थी। फिल्म 'केदारनाथ' की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान का यह वीडियो इंटरनेट पर काफी वायरल हो रहा है। सारा इसमें कहती नजर आ रही हैं मैं नहीं जानती कि मैंने इस फिल्म में आखिर कैसा काम किया है। लेकिन मैंने, बहुत-बहुत मेहनत की है। मुझे लगता है कि मैंने इस फिल्म में जैसा भी काम किया, जो भी काम किया, वो मैं सुशांत के बिना नहीं कर पाती। सुशांत मददगार साबित हुए। कई दिन ऐसे होते थे जब मैं अपनी दुनिया में खोई हुई होती थी, डरी हुई होती थी, लेकिन सुशांत मुझे हमेशा सपोर्ट करते थे। मुझे चीयरअप करते थे। मैं टूटी-फूटी हिंदी बोलती थी तो सुशांत ही मुझे सिखाते थे और ठीक करते थे।

घुड़सवारी सीख रही है : जैकलीन

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीस इन दिनों घुड़सवारी सीख रही है।जैकलीन फर्नांडीस लॉकडाउन के बाद से ही सलमान खान के फार्महाउस में हैं। जैकलिन फर्नांडीस वहीं से अपने दो सॉन्ग भी रिलीज कर चुकी हैं।जैकलीन फर्नांडीस ने बताया, अभी मैं एक फार्म में हूं और भाग्यशाली हूं कि लॉकडाउन की घोषणा से पहले ही मैं यहां आ गई थी। यह दो महीने अच्छे रहे हैं, यहां माहौल बेहद अच्छा है. अच्छी ताजी हवा है। जैकलीन फर्नांडीस ने कहा, मैं रोजाना सुबह और शाम घुड़सवारी करती हूं, यह मुझे वास्तव में बहुत पसंद है। मैं वर्कआउट कर रही हूं और योग तथा ध्यान में समय गुजार रही हूं। मैं रीडिंग करने की भी कोशिश कर रही हूं। मैं जितना संभव हो उतने कोर्स करने की कोशिश कर रही हूं तो फ़िलहाल मैं एक हिंदी का कोर्स कर रही हूं और साथ ही एडिटिंग का कोर्स भी कर रही हूं, जिससे मुझे अपने ब्लॉग बनाने और पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिल रही है क्योंकि हम ऐसी स्थिति में हैं, जहां मेरे साथ मेरी टीम नहीं है इसलिए बहुत सी चीजें मुझे अपने दम पर करने की जरूरत है और मैं अपना काम पूरा कर रही हूं।

इस दिन रिलीज होगी सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा डिजिटल प्लेट फॉर्म पर रिलीज होने जा रही हैं। सुशांत की ये फिल्म 24 जुलाई को डिजिनी प्लस हॉट स्टार पर रिलीज होगी। इस फिल्म में सुशांत के साथ संजना सांघी और सैफ अली खान हैं। फिल्म को कास्टिंड डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की डिजिटल रिलीज की घोषणा और मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए संजना ने सोशल मीडिया पर लिखा- प्यार, उम्मीद और कभी न खत्म होने वाली यादों की कहानी। दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की विरात को मनाएं। ये हमारे यादों में हमेशा रहेगी। दिल बेचारा 24 जुलाई को रिलीज हो रही है।यह फिल्म अमेरिकी रोमांटिक ड्रामा फिल्म द फॉल्ट इन आवर स्टार्स की रीमेक है लेकिन फिल्म में एक बहुत बड़ा ट्विस्ट भी होगा। बता दें कि फिल्म के लीड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने 16 जून को फ्लैट में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया था। वह लंबे समय से डिप्रेशन के जूझ रहे थे। सुशांत के घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस इस मामले की पड़ताल कर रही है।

पर्सनल लाइफ को लेकर भूमि ने किया चौकाने वाला खुलासा, जिंदगी भर सिंगल रहेंगी

बॉलीवुड ।

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का कहना है कि वो जिंदगी भर सिंगल रहेंगी। न ही वो किसी से शादी करेंगी और न ही किसी को डेट। एक्ट्रेस ने ये सब करने के पीछे एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है। चलिए जानते हैं भूमि के ऐसा करने के पीछे आखिर क्या वजह है.. पर्सनल लाइफ के ऊपर बात करते हुए भूमि ने मीडिया को बताया कि वो किसी एक्टर को इसलिए डेट नहीं करना चाहती हैं, क्योंकि वो एक दूसरे को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि वो जिंदगी भर शादी नहीं करना चाहती। इसके पीछे का कारण भूमि ने अपने समय को ज्यादा कीमती बताया है। भूमि ने अपने समय को ज्यादा कीमती बताया है। वहीं भूमि ने अपनी स्ट्रगलिंग लाइफ के ऊपर बताया कि उन्होंने अपने पिता को कैंसर की वजह से खो दिया। जब उनके पापा का निधन हुआ तो वो सिर्फ 18 साल की थी। इस परिस्थिती का सामना करना मुश्किल था। हमारी मां ने हमेशा हमारा साथ दिया हर कदम पर मां अकेले ही काफी थी। भूमि पेडनेकर ने कहा कि वो अपने परिवार को किसी योद्धा से कम नहीं समझती हैं। उन्होने काफी संघर्ष किया है।

काम की बात करें तो भूमि अब तक कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी है। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म पति पत्नी और व में देखा गया था। इन दिनों भूमि क्वारंटाइन समय बिता रहे हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

100 दिनों बाद मुंबई वापस लौटीं उतरन फेम टीना, लॉकडाउन के चलते गोवा में फंस गईं थी एक्ट्रेस

बॉलीवुड ।

कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के चलते कई स्टार्स अपनी कर्मभूमि में फंस कर रह गए थे। लेकिन मई में कुछ रियायतें मिलने के बाद कई स्टार्स अपने-अपने घरों में लौट गए थे। लेकिन टीवी सीरियल उतरन फेम टीना दत्ता रियायतें मिलने के बावजूद भी घर नहीं पहुंच पाई थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वो 100 दिनों बाद गोवा से अपने घर लौट गई हैं। हाल ही में टीना दत्ता ने बात करते हुए बताया कि, मैं फाइनली 100 दिनों गोवा से मुंबई वापस लौट गई हैं। मुंबई से वहां का माहौल काफी बेहतर था। मैं गोवा में थी तो सर्वाइव कर पायी। अगर मुंबई में होती और मुझे क्वारंटीन होना पड़ता। मैं मुंबई में अकेली रहती हूं, तो मैं लॉकडाउन में एक कमरे में ही कैद रहती।वहां मुझे पता नही चला कि मेरे 100 दिन कैसे बीत गए। वहां मैने आशिका और उनके पति के साथ खूब मजे किए और योगा सीखा। वहां मुझे पता नही चला कि मेरे 100 दिन कैसे बीत गए। वहां मैने आशिका और उनके पति के साथ खूब मजे किए और योगा सीखा। टीना ने बताया कि मैने फ्लाइट बुक करने की काफी कोशिश की, लेकिन ऐसा न हो पाने के कारण फ्रेंड के साथ कामर में आना पड़ा। गोवा से 12 घंटे का सफर कर आखिर मुंबई पहुंच ही गई।

सुष्मिता सेन ने खोला राज़! बताया 10 सालों तक बॉलीवुड इंडस्ट्री से क्यों थी दूर

बॉलीवुड ।

मिस युनिवर्स रह चुकी बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने वेब सीरीज आर्या से कमबैक किया है। वह पिछले 10 सालों से एक्टिंग से दूर है। वेब सीरीज आर्या में एक बार फिर से अपनी दमदार एक्टिंग से उन्होंने कई लोगों का दिल जीत लिया है। उनकी इस वेब सीरीज को लोग काफी पंसद कर रहे है। एक हिंदी न्यूजपेपर को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि आखिर क्यों वह 10 सालों तक फिल्मी दुनिया से दूर रही। अभिनेत्री सुष्मिता सेन के इस वजह को जानकर आप उन्हें और भी ज्यादा पंसद करने लगेंगे। उन्होंने बताया कि उनके ये 10 साल काफी दिलचस्प रहे। 10 साल पहले उनकी बेटी अलीसा सिर्फ कुछ ही महीनों की थी और तब ही सेन ने ये तय कर लिया था कि वह फिल्मी दुनिया से ब्रेक ले लेंगी और अपनी बेटी अलीसा के साथ उनका बचपन बिताएंगी। ऐसा वह अपनी बड़ी बेटी के साथ नहीं कर पाई थी क्योंकि उस वक्त सेन लगातार 3 फिल्मों की शूटिंग कर रही थी। इसलिए उन्होंने इतना बड़ा फैसला लिया और अपनी छोटी बेटी अलीसा के साथ उनका बचपन बिताया। जब उनकी छोटी बेटी 5 साल की हुई तो सेन को बीमारी ने घेर लिया जिसके बाद वह अपने इलाज में व्यस्त हो गई। उस दौरान भी उन्हें कई ऑफर आएं लेकिन उन्हें स्क्रिप्ट पंसद नहीं आई। अब सेन बिल्कुल ठीक है और साथ ही उनकी छोटी बेटी भी 10 साल की हो गई है। सेन ने बताया कि उनके करियर के 20-30 साल काफी महत्वपूर्ण थे इसलिए वह सिर्फ बड़े पर्दो पर ही काम करना पसंद करती थी लेकिन अब वह सिर्फ कंटेंट पर भरोसा करती है। उनके मुताबिक प्लेटफॉर्म कोई भी हो अगर कंटेट अच्छा होगा तभी वह काम करना पंसद करेंगी। इस दौरान इंडस्ट्री में आउटसाइडर और इनसाइडर के ऊपर काफी बहस चल रही है। बता दें कि सुष्मिता सेन भी आउटसाइडर है। नेपोटिस्म को लेकर सेन ने कहा कि लोगअपनी आवाज तो उठा रहे है लेकिन इससे वह असली मुद्दे से भटक जाते है। नेपोटिस्म को लेकर सेन ने कहा कि लोगअपनी आवाज तो उठा रहे है लेकिन इससे वह असली मुद्दे से भटक जाते है। इससे लोगों को ही तकलीफ होती है। 26 साल बाद सुष्मिता सेन की फिल्मी जर्नी काफी कमाल की रही। उन्होंने बताया कि 18 साल तक की उम्र तक उन्होंने भारत के अलावा कोई और देश नहीं देखा था न ही कभी वह अकेले बाहर गई थी। उनको इंगिलश बोलना नहीं आता था। उनके मुताबिक उनकी असली पहचान भारत देश है। बता दें कि सुष्मिता सेन के पिता एयरफोर्स में थे, उन्होंने अपने पापा से यहीं तालीम ली थी कि जो कुछ भी करना, देश के लिए जरूर करना। उन्होंने बताया कि मिस युनिवर्स का खिताब जीतने के बाद से ही उन्होंने फिल्म से लेकर हर एक अनुभव को ईमानदारी से निभाया। जानकारी के मुताबिक सेन 18 साल की उम्र के बाद से 35 विदेशों की यात्रा कर चुकी है। सेन एक मां- और बाप दोनों का रोल बखूबी निभा रही है। उन्होंने इसको लेकर कहा कि सिंगल पैरंट के ऊपर जिम्मेदारियां काफी बढ़ जाती है क्योंकि आप दोनों रोल निभा रहे होते है। प्रैशर होता है लेकिन अगर आपको पता है कि आपकी प्राथमिकताएं क्या है तो आप उसके मुताबिक ही काम करने लगते है।

ब्रीद इनटू द शैडोज से अमित साध का लुक पोस्टर आया सामने!

नई दिल्ली। सीरीज के पहले चरण में शानदार अभिनय के लिए प्रशंसित अभिनेता अमित साध ने इंस्पेक्टर कबीर सावंत के रूप में अपनी भूमिका को दोहराया है। अबुदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा बनाई गई मनोवैज्ञानिक क्राइम थ्रिलर में सबके प्रिय अभिषेक बच्चन ऑन-स्क्रीन डिजिटल डेब्यू करेंगे। अमेजन प्राइम वीडियो आज ऑल-न्यू अमेजन ओरिजिनल सीरीज ब्रीद: इन द शैडो में अमित साध का फर्स्ट लुक जारी करके उत्साह का स्तर बढ़ा रहा है। नई सीरीज में इंस्पेक्टर कबीर सावंत की भूमिका निभा रहे अभिनेता को रहस्यमयी ढंग से जेल में देखा जाता है, जो दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाता है। इंस्पेक्टर कबीर सावंत को जेल में क्यों रखा गया है? क्या यह सत्ता और छल का एक अमानवीय खेल था या क्या उसने गंभीरता से कोई अपराध किया है, जिसने उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है? हालांकि हम इस नए मोड़ के पीछे का कारण नहीं जानते हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से इस बहुप्रतीक्षित अपराध थ्रिलर के रहस्य में एक दिलचस्प परत जोड़ता है। अमेजन ओरिजिनल सीरीज ब्रीद: इन द शैडो से अभिषेक बच्चन और निथ्या मेनन डिजिटल डेब्यू कर रहे हैं, जिन्हें सैयामी खेर के साथ मुख्य भूमिकाओं में देखा जाएगा। यह शो 10 जुलाई 2020 को अमेजन प्राइम वीडियो पर 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिलीज किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, अभिनेता अमित साध ने कहा, कबीर सावंत, एक नए गैर-कल्पनाशील अवतार के रूप में वापसी के लिए उत्साहित हूं। ब्रीथ और कबीर ने दुनिया भर के प्रशंसकों के साथ जुड़ाव किया है और इसकी थीम आप अपने चाहने वालों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, सबसे संबंधित है। सबसे संबंधित है। अभिषेक और नित्या के साथ में जुड़ने के साथ यह नई कहानी और भी खास हो गई है, इस समय, शैडो में हम आपको ब्रीथ की दुनिया में वापस ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। यह सीरीज अबुंडेंटिया एंटरटेनमेंट द्वारा रचित और निर्मित है और मयंक शर्मा द्वारा रचित और निर्देशित है।

स्टार किड्स में कोई हुआ सुपरहिट तो कोई मिसफिट

मुंबई।

बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद (नेपोटिज्म) के कारण स्टार किड्स को इंडस्ट्री में आसानी से इंट्री ने कई को स्टारडम की बुलंदियों पर पहुंचाया लेकिन बावजूद इसके कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें शुरूआती दौर में सफलता तो जरूर मिली लेकिन वे इसे बरकरार रखने में असफल रहे।बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में जहां एक तरफ स्ट्रगलर्स अपने दम पर कुछ बनने की कोशिश करते हैं। वहीं, मशूहर सितारों के बच्चे भी यहां भाग्य आजमाते हैं। कुछ स्टार्स का इतिहास यह भी रहा है कि जो अपने माता-पिता के स्टारडम के दम पर बॉलीवुड में आए ,लेकिन कुछ खास नहीं कर पाए। स्टारकिड होना न अपने आप मे खूबी है न खामी लेकिन यह सच है कि किसी आम इंसान की तुलना में स्टारकिड को फिल्मो में आसानी से ब्रेक मिल जाता है। स्टॉरकिड को सामने आम नायक की तुलना में अधिक कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि दर्शको को उनसे ज्यादा उम्मीद होती है और उसकी तुलना दर्शक उसके पिता या मां से करने लगते है। बॉलीवुड में स्टारकिड्स का सिलसिला काफी पहले से ही चल रहा है। स्टारकिड के फिल्म इंडस्ट्री में आगमन का सिलसिला सबसे पहले अभिनेता पृथ्वीराज कपूर के पुत्र राजकपूर के आने से शुरू हुआ था। पृथ्वीराज कूपर यदि चाहते तो वह राजकपूर को फिल्म इंडस्ट्री से आसानी से ब्रेक दे सकते थे लेकिन उन्होंने संघर्ष को अधिक महत्व देते हुये राजकपूर को सलाह दी कि वह खुद अपने पैरो पर खड़ा हो इसलिये उन्होंने राजकपूर को निर्माता केदार शर्मा के क्लैपर ब्वॉय के रूप में काम करने की सलाह दी। बाद में राजकपूर अपनी मेहनत के बदौलत फिल्म इंडस्ट्री के शो मैन कहलाये ।इसी तरह पृथ्वी राज कपूर के दो अन्य पुत्र शम्मी कपूर और शशि कपूर ने भी अपने प्रयास से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। बॉलीवुड अभिनेत्री और फिल्मकार शोभना समर्थ ने फिल्म हमारी बेटी से अपनी बेटी नूतन और फिल्म छबीली से तनुजा को लांच किया और दोनों ही अभिनेत्रियों ने सफलता का परहचम लहराया।सत्तर के दशक में राजकपूर ने अपने पुत्र रणधीर कपूर को वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म ..कल आज और कल .. के जरिये लांच किया। रणधीर कपूर ने न सिर्फ बतौर अभिनेता फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश किया बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया। रणधीर ने कुछ सफल फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शको को मंत्रमुग्ध भी किया लेकिन उन्हें अपने भाई ऋषि कपूर जैसी सफलता नहीं मिली।फिल्म कल आज और कल के बाद रणधीर कपूर ने धरम करम, हिना,का निर्देशन किया साथ ही फिल्म प्रेमग्रंथ और आ अब लौट चले जैसी फिल्मों का निर्माण किया लेकिन इनमें हिना को छोड़कर कोई भी फिल्म कामयाब नही हो सकी इसको देखते हुये रणधीर कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया। वहीं, राजकपूर ने पुत्र ऋषि कपूर को वर्ष 1973 में प्रदर्शित फिल्म ..बॉबी ..के जरिये फिल्म इंडस्ट्री में ब्रेक दिया ।युवा प्रेम कथा पर बनी फिल्म बॉबी ने न सिर्फ सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित किये साथ ही बतौर अभिनेता ऋषि कपूर को भी फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित कर दिया। ऋषि ने अपने दमदार अभिनय से चार दशक से अधिक समय तक दर्शकों के बीच अमिट पहचान बनायी।राजकपूर के तीसरे पुत्र राजीव कपूर ने भी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर अभिनेता अपनी पहचान बनाने का प्रयास किया। अपने पुत्र को इंडस्ट्री में स्थापित करने के लिये राजकपूर ने वर्ष 1985 में फिल्म ..राम तेरी गंगा मैली ..का निर्माण किया। फिल्म ..राम तेरी गंगा मैली..बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट भी हुयी और राजीव के अभिनय को भी दर्शको द्वारा सराहा गया लेकिन इसके बाद राजीव ने जितनी भी फिल्मों में काम किया वह सफल नही रही ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

म्यांमार में 63.45 अरब रुपए से अधिक के नशीले पदार्थ आग के हवाले, धमाकों से दहल गया शहर

यंगून (एजेंसी)।

दक्षिण पूर्व एशिया में नशा तस्करी के लिए जाने जाते देश म्यांमार के सबसे बड़े यंगून शहर में 839 मिलियन डॉलर से अधिक (63 अरब 45 करोड़ 18 लाख 92 हजार रुपए) के नशीले पदार्थ आग के हवाले कर दिए गए। यह कार्रवाई म्यांमार सरकार और ड्रग्स एंड क्राइम ब्रांच संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की तरफ से संयुक्त रूप से की गई। ये अवैध नशीले पदार्थ पुलिस ने विभिन्न कारवाइयों में जब्त किए थे जिनमें अफीम, हेरोइन, मेथामफेटामाइन, मारिजुआना, केटामाइन और उत्तेजक को बर्फ या क्रिस्टल मेथ आदि शामिल थे। इन नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी खेप को जलाने पर जोरदार धमाका हुआ कि पूरा शहर धमाकों से दहल गया और आग की लपटे दूर-दूर तक फैल गईं। अधिकारियों ने मांडले, लशियो और पूर्वी म्यांमार के शान राज्य की राजधानी तांग्गी में ड्रग्स को नष्ट कर दिया, जहां से ड्रग्स का उत्पादन होता है। म्यांमार सरकार और ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने मई में मादक पदार्थों के रिकॉर्ड में गिरावट की घोषणा की। अप्रैल की शुरुआत में लगभग 6 सप्ताह की अवधि के दौरान, संयुक्त पुलिस और सेना के ऑपरेशन ने शान राज्य के एक गांव में और लगभग 200 मिलियन मेथम्फेटामाइन गोलियों सहित लगभग 18 टन ड्रग्स जब्त किए थे। म्यांमार में दशकों से जारी गृहयुद्ध के कारण नशा तस्करी व उत्पादन का लंबा इतिहास रहा है। सरकार कहती है कि कुछ जातीय सेनाएँ-जो दूरदराज के इलाकों के बड़े-बड़े इलाकों को नियंत्रित करती हैं- अपनी विद्रोहियों की फंडिंग के लिए नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करती हैं।

अमेरिका के सैन्य तैनाती बढ़ाने के फैसले से टेंशन में चीन, भारत को लेकर ड्रैगन ने बदले सुर

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

भारत-चीन सीमा विवाद के बीच अमेरिका बार-बार चीन को चेतावनी देता आ रहा है कि कि वह पड़ोसी देशों को उकसाने की कार्रवाई से बाज आए। लेकिन चीन की हिंसक झड़प ने दोनों देशो के बीच तनाव और बढ़ा दिया है। इस बीच अमेरिका ने एक बार फिर चीन को झटका देने का ऐलान किया है जिससे ड्रैगन के सुर बदले नजर आ रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने जैसे ही चीन से निपटने के लिए फौज बढ़ाने का बयान दिया, वैसे ही भारत के लिए चीन के सुर बदल गए हैं। पॉम्पियो के ऐलान के बाद चीन को डर सताने लगा है कि अगर हिंद-प्रशांत में भारत और अमेरिका मिल गए तो उसकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। ऐसे में भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले चीन के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने अब भारत की तारीफ में कहा है कि भारत अमेरिका के साथ नहीं जाएगा क्योंकि वो कूटनीतिक स्वतंत्रता पसंद करता है। चीन के इस डर को फाइनेंशियल टाइम्स के एक स्तंभकार गिडोन रैचमैन ने और बढ़ा दिया है। उन्होंने लिखा कि भारत ने नए शीत युद्ध में एक पक्ष को चुन लिया है। ये चीन की मूर्खता है कि वो अपने प्रतिद्वंद्वी को अमेरिका के पाले में डाल रहा है। इस बयान से चीन तिलमिला गया। उसे एहसास हो गया कि अमेरिका की एक चाल से पूरा समीकरण उसके खिलाफ बनने लगा है। चीन का सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स इस दलील को खारिज करने में जुट गया है। ग्लोबल टाइम्स में लिखा है कि एक वक्त था जब भारत-चीन के बीच तनाव एक बड़ा खतरा था। भारत उस वक्त भी किसी देश पर निर्भर नहीं हुआ इसलिए ये तर्क बिल्कुल गलत है कि मौजूदा सीमा तनाव में भारत किसी एक गुट के साथ जाने के लिए मजबूर हो जाएगा। चीन की पूरी कोशिश है कि भारत किसी भी सूरत में अमेरिका से हाथ न मिलाए। चीन की पूरी कोशिश है कि भारत किसी भी सूरत में अमेरिका से हाथ न मिलाए। चीन को मालूम है कि भारत और अमेरिका साथ आए तो दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में वो बुरी तरह घिर जाएगा।

ट्रंप ने राष्ट्रीय स्मारकों को नुकसान पहुंचाने को दंडनीय अपराध बनाया, 10 साल तक की सजा का प्रावधान

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय स्मारकों को नुकसान पहुंचाने वालों पर मुकदमा चलाने के मकसद से एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं और इसे दंडनीय अपराध बनाया है जिसमें 10 साल कैद तक की सजा हो सकती है। पुलिस हिरासत में अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की बर्बर हत्या के बाद भड़की हिंसा में देश में ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों एवं प्रतिमाओं को प्रदर्शनकारियों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के मद्देनजर यह आदेश लाया गया है। राष्ट्रपति ने हिंसा के लिए कट्टर वामपंथियों को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने सख्त लहजे वाले शासकीय आदेश में शुक्रवार को कहा, च्मेरा प्रशासन कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उकसाई गई हिंसक भीड़ को इतिहास के उन पहलुओं का निर्धारक बनने की अनुमति नहीं दे सकता जिन्हें सार्वजनिक स्थानों में छूट मिल जाए। ट्रंप ने कहा कि पिछले पांच हफ्तों से, असैन्य नागरिकों, कानून प्रवर्तन अधिकारियों के जीवन एवं संपत्ति, सरकारी संपत्तियों और लिंकन मेमोरियल जैसे श्रद्धेय अमेरिकी स्मारकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा, च्चकई दंगाई, आगजनी करने वाले और चरम वामपंथी जिन्होंने इन कार्यों को किया है या समर्थन दिया है, खुद को मार्क्सवाद जैसी विचारधाराओं के साथ जुड़ा हुआ बताया है जो अमेरिकी व्यवस्था की बर्बादी का आह्वान करती हैं। आदेश के तहत, संघीय सरकार को ऐसे किसी भी व्यक्ति या संस्था पर मुकदमा चलाने का निर्देश है जो किसी धार्मिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है। आदेश स्मारकों एवं प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त होने से बचाने में विफल रहने वाले राज्यों एवं स्थानीय सरकारों को मिलने वाली कुछ संघीय सहायता को रोक कर रखने को कहता है। कानून के तहत संघीय संपत्ति को जानबूझ कर नुकसान पहुंचाने का दोषी पाए जाने पर 10 साल तक की कैद का प्रावधान किया गया है।

चीन को यह बताने का वक्त आ गया है कि बस बहुत हुआ : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में चीन की हालिया आक्रामकता पड़ोसियों के खिलाफ उसकी बड़े पैमाने पर सैन्य उकसावे वाली कार्रवाई का हिस्सा है और अमेरिका शांतिपूर्ण देशों को धमकाए जाने की चीन की नियोजित सैन्य कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं करेगा। कांग्रेस सदस्य टेड योहो ने कहा कि अब दुनिया के लिए एकजुट होने और चीन को यह बताने का वक्त आ गया है कि बस बहुत हुआ। योहो ने शुक्रवार को कहा, ''भारत के प्रति चीन की कार्रवाई चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की वृहद प्रवृत्ति के अनुरूप है कि क्षेत्र में अपने पड़ोसियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य आक्रामकता शुरू करने के लिए आड़ के रूप में कोविड-19 वैश्विक महामारी को लेकर भ्रम का इस्तेमाल किया जाए।'

रिपब्लिकन सांसद ने ट्वीट किया कि अमेरिका शांतिपूर्ण देशों को डराने-धमकाने की पूर्व नियोजित सैन्य कार्रवाई का साथ नहीं देगा। इससे पहले प्रतिनिधि सभा में सबसे लंबे समय तक भारतीय-अमेरिकी सांसद रहे डॉ. एमी बेरा ने भारत के साथ सीमा पर चीन की आक्रामकता को लेकर चिंता जताई। इससे पहले प्रतिनिधि सभा में सबसे लंबे समय तक भारतीय-अमेरिकी सांसद रहे डॉ. एमी बेरा ने भारत के साथ सीमा पर चीन की आक्रामकता को लेकर चिंता जताई। उन्होंने ट्वीट किया, ''मैं सीमा मुद्दों को हल करने के लिए बल की बजाय तनाव को कम करने के वास्ते भारत के साथ कूटनीतिक तंत्र का इस्तेमाल करने के लिए चीन को प्रेरित करता हूं।''एशिया मामलों की सदन की विदेश मामलों की उपसमिति के अध्यक्ष बेरा ने कहा कि वह भारत के साथ सीमा पर चीन की निरंतर आक्रामकता को लेकर चिंतित हैं।

संक्षिप्त समाचार

20 अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप से अफगान के सिख-हिंदुओं को शरण देने का किया अनुरोध

लॉस एंजलिस। अमेरिका के 20 सांसदों ने ट्रंप प्रशासन से अफगानिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के तौर पर अत्याचारों का सामना कर रहे सिख और हिंदू समुदायों को आपात शरणार्थी संरक्षण देने का अनुरोध किया है। विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ को लिखे द्विदलीय पत्र में सांसदों ने विदेश विभाग से अफगान सिख और हिंदू समुदायों को 'यूएस रिफ्यूजी एडमिशन्स प्रोग्राम' के तहत शरण देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के अत्याचारों और आईएस खुरासन के हाल के आतंकवादी कृत्यों के कारण हिंदुओं और सिखों की आबादी में गिरावट आयी है। सांसदो ने कहा, ''इस प्रशासन ने लगातार धार्मिक आजादी की रक्षा को विदेश नीति की प्राथमिकता बताया है।'' उन्होंने कहा, ''अफगानिस्तान में सिख और हिंदू समुदायों को अपने धर्म के कारण आईएस-के से खतरे का सामना करना पड़ता है। धार्मिक आजादी की रक्षा करने के लिए हम इन प्रताड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने के लिए आपसे ये आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध करते हैं।'' इस पत्र में पोम्पिओ से सिख और हिंदू समुदायों के उन सदस्यों को अतिरिक्त सहयोग मुहैया कराने की भी अपील की गई है जो अफगानिस्तान में रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय अफगानिस्तान में सिख और हिंदू समुदाय के लोगों की संख्या करीब 2,50,000 थी लेकिन दशकों की प्रताड़ना के बाद अब यह संख्या 1,000 तक रह गई है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,138 मामले सामने आए, मृतकों की संख्या 4,000 के पार पहुंची

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 3,138 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 1,89,883 हो गई है। इसके अलावा 74 और लोगों की मौत के साथ ही मृतकों की तादाद 4,000 के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के बयान में कहा गया है, बीते 24 घंटे में संक्रमण के 3,138 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 1,98,883 हो गई है। 74 रोगियों की मौत के साथ ही मृतकों की तादाद 4,035 हो गई है। बयान में कहा गया है कि अबतक 86,906 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि 2,729 रोगिये ों की हालत नाजुक है। मंत्रालय ने कहा कि अबतक कुल 1,214,140 लोगों की जांच की जा चुकी है। बीते 24 घंटे में 21,033 लोगों की जांच की गई है।

लद्दाख सीमा विवाद: चीन के खिलाफ विदेशों में उठी आवाज, शिकागो में चीनी दूतावास के बाहर प्रदर्शन

शिकागो। लद्दाख सीमा पर भारत के साथ हिंसक झड़प के बाद चीन के खिलाफ विदेशों में बसे भारतीयों में भी गुस्सा बढ़ता जा रहा है। लंदन के बाद इसकी आंच अमेरिका तक पहुंच गई है। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने यहां जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों ने शिकागो में चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर पूर्वी लद्दाख में बीजिंग की आक्रमकता के खिलाफ विरोध जताया। हालांकि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर एकत्र होने पर लगे प्रतिबंधों और शिकागो शहर में लागू अन्य कदमों की वजह से प्रदर्शन में ज्यादा लोग शामिल नहीं हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में पोस्टर थे, जिसमें भारत के खिलाफ आक्रमकता के लिए चीन और अन्य पड़ोसी देशों की निंदा की गई थी। भारतीय और चीनी सेना के बीच पूर्वी लद्दाख के पेंगोंग सो, गलवान घाटी, डेमचोक और दौलत बेल ओल्डी में गतिरोध बना हुआ है। दोनों पक्ष 15 जून को गलवान घाटी में हुई हिंसकों झड़पों के बाद पनपे तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक एवं सैन्य स्तर पर वार्ता कर रहे हैं। शिकागो से एक प्रमुख भारतीय-अमेरिकी डॉ. भरत बराई ने कहा कि हमारा विरोध लेह में भारतीय सीमा में चीनी घुसपैठ के खिलाफ था। हम चीन को बताना चहाते हैं कि भारतीय-अमेरिकी शांत नहीं रहेंगे। आज पूरा विश्व भारत के साथ है। उन्होंने कहा कि चीनी आक्रमकता को लेकर भारतीय-अमेरिकियों के बीच भारी आक्रोश है।

अमेरिका के सेंट लुइस में प्रसिद्ध रैपर की गोली मारकर हत्या

न्यूयार्क। ह्यूई के नाम से पहचान पाने वाले अमेरिका के सेंट लुइस शहर के एक रैपर की गोली मारकर हत्या कर दी गई तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया है। सेंट लुइस काउंटी पुलिस ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना किनलोच में बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे घटी। पुलिस ने मृतक की पहचान 32 वर्षीय लॉरेंस फ्रैंक्स जूनियर के रूप में की है जिसे प्रशंसक ह्यूई के नाम से जानते हैं। किनलोच के रहने वाले इस रैपर को ''पॉप, लॉक एंड ड्रॉप इट' गीत के लिए जाना जाता है। इस म्यूजिक वीडियो को यूट्यूब पर पांच करोड़ से अधिक बार देखा गया। गोलीबारी में घायल हुआ 21 वर्षीय युवक अस्पताल में भर्ती है। उसे जानलेवा चोटें नहीं आयी हैं। पुलिस ने बताया कि जब गोलीबारी हुई तो वहां 10 अन्य लोग मौजूद थे। पुलिस ने यह नहीं बताया है कि गोलीबारी कैसे हुई या इसके पीछे के उद्देश्य के बारे में भी नहीं बताया। उन्होंने किसी संदिग्ध की जानकारी भी नहीं दी है।

नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त हुआ फेसबुक , भड़काऊ पोस्ट को तुरंत कर देगा फ्लैग

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

फेसबुक ने कहा कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्ट सहित सभी नेताओं के 'समाचार की श्रेणी में आने वाले उन सभी पोस्ट पर चेतावनी संकेत लगाएगा जो उसके नियमों के विपरीत होंगे। दरअसल फेसबुक पर नफरत फैलाने वाले भाषण और विभाजनकारी विमर्श का आरोप लगाते हुए बेन एंड जेरी तथा डोव जैसे ब्रांड देने वाली यूरोपीय कंपनी यूनिलीवर ने इस साल के अंत तक फेसबुक पर विज्ञापनों का बहिष्कार करने की घोषणा की थी जिससे फेसबुक के शेयर आठ फीसदी से अधिक गिर गए। इस कंपनी के बाद कोका कोला ने भी कम से कम 30 दिन तक फेसबुक के बहिष्कार की घोषणा की थी। फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने ट्रंप के कुछ विवादित पोस्ट के खिलाफ कार्रवाई करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि लोगों को नेताओं के जस के तस बयान सुनने का अधिकार है। इसके विपरीत ट्विटर ने इन बयानों पर चेतावनी संकेत लगाए थे। ट्रंप के जिन पोस्ट पर ट्विटर ने चेतावनी संकेत लगाए हैं, शुक्रवार तक उन पर फेसबुक ने कोई कार्रवाई नहीं की जिसकी ट्रंप के विरोधियों तथा फेसबुक के वर्तमान एवं पूर्व कर्मियों ने भी आलोचना की। लेकिन अब राष्ट्रपति अगर नियमों का उल्लंघन करने वाला कोई पोस्ट करेंगे तो फेसबुक उनसे आमना-सामना करने को तैयार है। जुकरबर्ग ने अपने फेसबुक पेज पर नीतियों में बदलाव की घोषणा की। इसमें उन्होंने कहा कि जो नीतियां आज लागू कर रहे हैं, उनका उद्देश्य उन चुनौतियों से निपटना है जिनका आज हमारा देश सामना कर रहा है। उनका उद्देश्य उन चुनौतियों से निपटना है जिनका आज हमारा देश सामना कर रहा है। जुकरबर्ग ने कहा कि सोशल नेटवर्क चुनाव संबंधी भ्रामक जानकारी से निपटने के लिए अतिरिक्त कदम उठा रहा है। इसमें कहा गया कि फेसबुक मतदान के लिए हतोत्साहित करने वाले गलत दावों पर भी पाबंदी लगाएगा।

चीन अपनी बाते मनवाने के लिए प्रोपेगंडा के अलावा व्यापार का भी करता है बेजा इस्तेमाल: अमेरिका एनएसए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) रॉबर्ट ओ ब्रायन ने आरोप लगाया है कि चीन अपनी बातें मनवाने के लिए प्रोपेगंडा और प्रभाव संबंधी अभियानों के अलावा व्यापार का भी इस्तेमाल करता है। ट्रंप प्रशासन के इस शीर्ष अधिकारी ने एरिजोना के फीनिक्स में लोगों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी सीमा के पार बाहर रह रहे लोगों के दिमाग को काबू में लाने की चीन की कोशिश चल रही है। व्हाइट हाऊस द्वारा शुक्रवार को जारी किये गये इस संबोधन के मजमून के अनुसार ओ ब्रायन ने कहा, ''प्रोपेगंडा और प्रभाव संबंधी अभियानों के अलावा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अपनी बातें मनवाने के लिए व्यापार का भी इस्तेमाल करती है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जब आस्ट्रेलिया ने कोरोना वायरस के मूल स्थान और प्रसार की स्वतंत्र जांच की मांग की तो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने आस्ट्रेलियाई कृषि उपजों की खरीद बंद करने और चीनी विद्यार्थियों और पर्यटकों को पर्यटन पर आस्ट्रेलिया जाने से रोकने की धमकी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब आस्ट्रेलिया नहीं झुका तब चीन इन धमकियों को अमल में लाने लगा और उसने आस्ट्रेलियाई जौ पर 80 फीसद उपकर लगा दिया। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संगठन भी चीन की योजना का हिस्सा हैं और चीन ने अनेक वैश्विक निकायों में कमान अपने हाथों में लेने की मुहिम चलाई। उन्होंने कहा कि चीन संयुक्त राष्ट्र की 15 विशिष्ट एजेंसियों में से अभी चार का प्रमुख है जो सुरक्षा परिषद के अन्य स्थायी सदस्यों - अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस से अधिक हैं। ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि चीन इन प्रमुखों के माध्यम से इन अंतरराष्ट्रीय निकायों को अपने सुर में सुर मिलाने तथा वहां चीनी दूरसंचार उपकरणों को लगाने के लिए बाध्य करता है। उनके अनुसार, उदाहरण के लिए इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन के झाओ होलिन ने जब से अपना पदभार ग्रहण किया है तब से वह हुवई की बिक्री बढ़ाने में आक्रामक तरीके से लगे हैं उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के महासचिव फांग लिऊ ने आमसभा की बैठक में ताईवान को हिस्सेदारी बाधित कर दी। इस संगठन की चीनी द्वारा हैकिंग किये जाने की लीपा-पोती कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अपनी सदस्यता का इस्तेमाल झिनजियांग और हांगकांग में शक्ति के दुरूपयोग की आलोचना बंद करने के लिए किया। ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि इन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों से आगे जा कर भी चीन की पहुंच है और वह वहां भी अपनी बातें मनवा लेता है जहां चीनी प्रमुख नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया, '' बीजिंग के प्रभाव में आकर और मानव जीवन को दांव पर लगाने की अस्वीकार्य हद पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेकशक टेड्रोस अधनोम गब्रेयेसस बड़े आस्थापूर्ण ढंग से वुहान वायरस पर चीन की हां में हां मिलाते रहे। मध्य जनवरी में उन्होंने दावा किया कि यह बीमारी इंसान से इंसान में नहीं फैलता है।

मेक्सिको में सड़क किनारे ढेर में पड़े मिले 30 शव

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में संगठित अपराध हिंसा का चौंकाने वाला और नृशंस रूप देखने को मिला है जहां पुलिस को दो राज्यों में 30 लोगों के शव पड़े मिले हैं। पुलिस ने बताया कि जाकाटेकस के फेसनिलो शहर में 14 लोगों के शव सड़क किनारे पड़े मिले। इसी बीच, बंदूकधारियों ने मेक्सिको सिटी के पुलिस प्रमुख के बख्तरबंद वाहन पर हमला कर दिया। 24 बंदूकधारियों ने मेक्सिको शहर पुलिस प्रमुख उमर गारसिया हरफुच पर .50 कैलिबर स्नाइपर रायफलों और ग्रेनेड से घात लगाकर हमला किया। इस हमले में हरफुच घायल हो गए। इस दौरान उनके दो सुरक्षाकर्मियों और पास से गुजर रही एक महिला की मौत हो गई। जाकाटेकस पुलिस ने सड़क किनारे पड़े शवों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन तस्वीरों में दिख रहा है कि शवों को कंबलों में लपेटकर और टेप से बांधकर फेंका गया है। यह जानकारी शुक्रवार को मिली। इससे पहले पुलिस ने बताया कि उसे सिनालोआ राज्य के कुलियाकान शहर में एक ग्रामीण क्षेत्र के निकट एक छोटे ट्रक में सैन्य वर्दी पहने सात लोगों के शव मिले। इसके निकट के क्षेत्र में भी पुलिस को नौ लोगों के शव मिले, जिनमें से कम से कम एक शव के पास से रायफल मिली है। राज्य पुलिस प्रमुख क्रिस्टोबल कास्टानेडा ने कहा, ''स्पष्ट रूप से यह इलाके में दो संगठित समूहों के बीच हुए संघर्ष का मामला है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बिडेन ने कश्मीर और सीएए को लेकर दिया भारत विरोधी बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

एक तरफ जहां भारत-चीन सीमा विवाद के बीच अमेरिका ने चीन से भारत को बचाने के लिए सेना खड़ी करने ऐलान किया है वहीं अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बिडेन ने कश्मीर, नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। बिडेन ने चीन और पाकिस्तान की भाषा में कहा कि भारत के लिए जरूरी है कि वह कश्मीरियों को उनका हक दिलाने के लिए कदम उठाए। इसके अलावा उन्होंने सीएए और असम में लागू एनआरसी को भी गलत बताया। बिडेन की कैंपेन वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है जिसका शीर्षक था मुस्लिम अमेरिकी समुदाय के लिए एजेंडा । इसमें कहा गया है कि सीएए और एनआरसी जैसे कदम भारतीय लोकतंत्र की बहुसंस्कृतिवाद और धर्मनिरपेक्षता की सतत परंपरा के खिलाफ हैं। अमेरिका में नवंबर महीने में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को अमेरिका ने भारत के प्रति दोस्ती दिखाई थी। दरअसल, हाल में चीन की हरकतों के चलते सीमा पर सैनिकों की झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हो गए। ऐसे में अमेरिका भारत के प्रति दोस्ताना व्यवहार दिखाते हुए यूरोप में अपनी सैन्य उपस्थिति कम कर दक्षिण एशिया में बढ़ा रहा है। इसका संकेत अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने गुरुवार (25 जून) को ब्रसेल्स फोरम के आभासी सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा। पोम्पियो से पूछा गया था कि अमेरिका ने जर्मनी में अपने सैनिकों की संख्या में कमी क्यों की है। जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, अमेरिकी सैनिक, जो वहां नहीं थे, उन्हें अन्य स्थानों पर चुनौतियों का सामना करने के लिए ले जाया जा रहा था। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की हालिया हरकतों का मतलब है कि भारत और वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस जैसे देशों और दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में खतरा बढ़ रहा है।

अमेरिकी सेना, हमारे समय की चुनौतियों का पूरी तरह सामना करने के लिए उचित रूप से तैनात है। चीन के खतरे के बारे में बोलते हुए, उन्होंने भारत के साथ सीमा पर खूनी टकराव का हवाला देते हुए कहा यह बीजिंग की दक्षिण चीन सागर गतिविधि और उसकी शिकारी आर्थिक नीतियों का सबूत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 72 फीसदी रिकवरी रेट, एक्टिव मामलों से साढ़े तीन गुना ज्यादा लोग इलाज के बाद हुए स्वस्थः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (एजेंसी) मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने गुजरात में कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर राज्य सरकार द्वारा उठाए गए

कदमों की जानकारी लेने अहमदाबाद के दौरे पर आए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव कुमार

अग्रवाल के साथ शुक्रवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री आवास पर बैठक आयोजित की।

मुख्यमंत्री ने राज्य में कोरोना कोविड–19 के सामने आने वाले नए मरीजों के मुकाबले उपचार के बाद ठीक होकर घर वापस जाने वाले व्यक्तियों की बढ़ती संख्या के बारे में विस्तृत जानकारी इस बैठक में दी।

बैठक के दौरान संयुक्त सचिव को जानकारी दी गई कि गुजरात में रिकवरी रेट लगभग 72 फीसदी है।

इतना ही नहीं, एक्टिव मरीज से साढ़े तीन गुना ज्यादा लोग उपचार के बाद स्वस्थ हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि गुजरात अब एक्टिव मामलों की संख्या के आधार पर देशभर में पांचवे नंबर पर आ गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव कुमार अग.वाल ने राज्य सरकार द्वारा अनलॉक–1 की स्थिति में कोरोना संक्रमण का दायरा फैलने से रोकने के लिए उठाए गए स्वास्थ्य परक कदमों, सघन सर्विलांस और क्लिनीकल ट्रीटमेंट की व्यवस्था के इंतजामों का ब्यौरा मुख्यमंत्री से जानकर संतोष व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने संयुक्त सचिव अग्रवाल को सीएम डैश बोर्ड के माध्यम से अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के कोरोना वार्ड का निरीक्षण कराकर वहां इलाज करवा रहे संक्रमित मरीजों के उपचार की विस्तृत जानकारी दी।

रूपाणी ने मरीजों का इलाज कर रहे चिकित्सकों तथा पैरा मेडिकल स्टाफ के कार्यों के बारे में भी सीएम डैश बोर्ड के वीडियो वॉल के जरिए केंद्रीय संयुक्त सचिव को निरीक्षण करवाया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव इस अभिनव पहल और कोरोना संक्रमित व्यक्तियों के इलाज की मुख्यमंत्री स्तर से सीधी निगरानी की

इस व्यवस्था से प्रभावित हुए बैठक में मुख्य सचिव अनिल मुकीम, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. जयंती रवि, स्वास्थ्य आयुक्त जयप्रकाश शिवहरे, सचिव हारित शुक्ला सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

उधर, कोविड–19 के संदर्भ में मुख्यमंत्री द्वारा गठित एक्सपर्ट ग्रुप ऑफ डॉक्टर्स की समिति के साथ भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव कुमार अग्रवाल ने बैठक की।

अग्रवाल ने बैठक में गुजरात में कोविड–19 की स्थिति के संदर्भ में गहराई से समीक्षा की और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी पर संतोष व्यक्त किया। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. जयंती रवि, स्वास्थ्य आयुक्त जयप्रकाश शिवहरे, मुख्यमंत्री द्वारा गठित एक्सपर्ट ग्रुप ऑफ डॉक्टर्स समिति के सदस्य और टास्क फोर्स फॉर कोविड–19 टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

गुजरात भाजपा संगठन और अध्यक्ष को लेकर वर्च्युअल बैठक में मंथन आज

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात भाजपा संगठन और नए अध्यक्ष को लेकर रविवार को होनेवाली वर्च्युअल बैठक में चर्चा की जाएगी। वर्च्युअल बैठक में भाजपा के सभी विधायक और सांसदों को मौजूद रहने का आदेश दिया गया है।

गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख पद की दौड़ में ओबीसी वर्ग से शंकर चौधरी, लेउआ पाटीदार मनसुख मांडविया और गोरधन झडफिया का नाम शामिल है। इन तीनों में से किसी को एक गुजरात भाजपा प्रमुख बनाए जाने की संभावना है।

आगामी 30 जून को गुजरात भाजपा का नया अध्यक्ष मिल सकता है।

रविवार को होनेवाली बैठक में नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा की जाएगी।

नए अध्यक्ष के चयन से पहले पार्टी विधायक और सांसदों का अभिप्राय लिया जाएगा।

बैठक में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल समेत प्रदेश भाजपा के नेता भी मौजूद रहेंगे।

गुजरात भाजपा प्रमुख की दौड़ में शामिल शंकर चौधरी उत्तर गुजरात से आते हैं और ओबीसी नेता हैंद्य सहकारी नेता हैं और बनास डेयरी के चेयरमैन हैं।

संगठन और सरकार के बीच उचित तालमेन रखने में शंकर चौधरी सक्षम हैं और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी हैं। दूसरे हैं मनसुख मांडविया जो फिलहाल केन्द्रीय मंत्री भी हैं।

सौराष्ट्र से आनेवाले मनसुख मांडविया की पाटीदार नेता के तौर पर आरक्षण आंदोलन के दौरान उनकी बड़ी भूमिका रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गुड बुक में शामिल हैंद्य भाजपा प्रमुख के तीसरे दावेदार के रूप में गोरधन झडफिया हैं, जो फिलहाल पार्टी के उपाध्यक्ष हैं।

झडफिया की समूचे गुजरात समेत संगठन पर अच्छी पकड़ है।

संगठन के अनुभव के साथ ही सरकार में वह गृह मंत्री भी रह चुके हैं।

पार्टी में गोरधन झडफिया को संगठन में अविवादित और सफल रणनीतिकार माना जाता हैद्य गोरधन झडफिया भी पीएम मोदी के भरोसेमंद माने जाते हैं।

कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके 5 पूर्व विधायक शनिवार को भाजपा में शामिल हो गएद्य भाजपा के प्रदेश मुख्यालय कमलम में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए पांच पूर्व विधायकों में कपराडा के जीतु चौधरी, मोरबी के ब्रिजेश मेरजा, अबडासा के प्रद्युम्नसिंह जाडेजा, करजण के अक्षय पटेल और धारी के जेवी काकडिया का प्रदेश प्रमुख जीतु वाघाणी ने स्वागत किया। (फोटो)

गुजरात में अगले 5 दिन सामान्य बारिश की संभावना

क्रांति समय

अहमदाबाद, मौसम विभाग ने अगले 5 दिन गुजरात में सामान्य बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। हांलाकि 29 और 30 जून के दौरान राज्य कुछ जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक 29 और 30 जून को वलसाड, नवसारी, दीव, दादरा नगर हवेली में भारी बारिश होने की संभ.ावना है। वहीं आणंद, खेडा, दाहोद, पंचमहल, राजकोट, बोटाद, द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, कच्छ में भी भारी बारिश हो सकती है।

30 जून को अहमदाबाद, महीसागर में भी भारी बारिश होने का अनुमान है। आज अहमदाबाद में मध्य से सामान्य बारिश होने का अनुमान हैं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के 7 जिलों में बारिश हुई। दक्षिण गुजरात के तापी जिले में सबसे अधिक 62 मिमी बारिश दर्ज ही जिले के सोनगढ़ में ढाई ईंच जितनी बारिश हुई। जबकि तापी के नीझर में 2 ईंच, दोलवण में 20 मिमी, कुकरमुंडा में 15 मिमी, व्यारा में 4 मिमी, उच्छल और वालोद में 3 मिमी बारिश हुई।

डांग के सुबीर में 1 ईंच, नर्मदा के सागबारा में 20 मिमी, अमरेली के लाठी में 18 मिमी, नर्मदा के डेडियापाडा में 16 मिमी और सूरत शहर, वलसाड के कपराडा और डांग के आहवा में 7 मिमी बारिश दर्ज हुई ।

आज सुबह 6 से दोपहर 12 बजे तक भरुच के हांसोट में 19 मिमी और अंकलेश्वर में 2 मिमी तथा तापी के कुकरमुंडा में 2 मिमी बारिश हुई।

प्राकृतिक खेती को प्राथमिकता देने राज्य सरकार तत्पर

किसानों को एक गाय के रखरखाव खर्च के लिए दी जाएगी प्रतिमाह 900 रुपए की सहायता

क्रांति समय

अहमदाबाद, राज्य के किसानों की आय दोगुनी करने और किसानों को देसी गाय आधारित संपूर्ण प्राकृतिक खेती करने की दिशा में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य के संवेदनशील मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने देसी गाय आधारित खेती करने वाले किसानों को प्रति गाय 900 रुपए प्रति माह की सहायता देने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार ने किसानों के लिए अनेक नए कार्यक्रम, योजनाएं और अभियान क्रियान्वित किए हैं। इनमें से प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने पर राज्य सरकार ने विशेष ध्यान केंद्रित किया है। कृषि, किसान कल्याण और सहकारिता विभाग की ओर से घोषित प्रस्ताव के अनुसार किसानों के लिए प्रभावी कृषि व्यवस्थापन, कृषि उत्पादन की अनिश्चितता और कृषि लागत में कमी लाने के लिए यह अहम निर्णय किया गया है। देसी गाय आधारित प्राकृतिक खेती करने वाले किसान परिवार को एक गाय के रखरखाव खर्च के लिए 900 रुपए प्रति माह के हिसाब से वार्षिक 10800 रुपए की सीमा में सहायता प्रदान की जाएगी। मंजूर किए गए रखरखाव खर्च के मासिक 900 रुपए के हिसाब से त्रैमासिक सहायता की रकम 2700 रुपए सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में आरटीजीएस/ डीबीटी के जरिए जमा कराई जाएगी। आवेदन मंजूरी के बाद संबंधित तिमाही के रखरखाव खर्च का उसके अगले महीने भुगतान कर दिया जाएगा। अप्रैल से जून के त्रैमासिक रखरखाव का खर्च जुलाई महीने में, जुलाई से सितंबर का खर्च अक्टूबर में, अक्टूबर से दिसंबर का खर्च जनवरी में और जनवरी से मार्च महीने के रखरखाव खर्च का भुगतान अप्रैल महीने में किया जाएगा। राज्य के सभी किसानों को इसमें शामिल करने की योजना है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने को इच्छुक लाभार्थी के पास आवेदन के समय आइडेंटीफिकेशन टैग सहित एक देसी गाय होनी चाहिए, जिसके गोबर और मूत्र के उपयोग से वह किसान प्राकृतिक खेती करता हो या प्राकृतिक खेती करने के बाद लाभ हासिल करने के पात्र होगा। फिलहाल प्राकृतिक खेती करने वाले किसान तथा प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के बाद तैयार हुए मास्टर ट्रेनर यदि पात्रता की शर्तें पूरी करते हों तो मंजूरी देने में उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। इस योजना का लाभ देसी गाय (विदेशी नस्ल की गाय जैसे कि जर्सी और एच.एफ. को छोड़कर) रखने वाले और तमाम जमीन में देसी गाय आधारित संपूर्ण प्राकृतिक खेती करने वाले किसान को मिलने पात्र होगा। बछड़े की गणना गाय के रूप में नहीं की जाएगी। योजना के तहत एक खाते पर एक लाभार्थी को सहायता मिलने पात्र होगी। आवेदक किसान को प्राकृतिक कृषि के मास्टर ट्रेनर के पास से अथवा प्राकृतिक कृषि का प्रशिक्षण प्राप्त किया होना चाहिए। योजना में रुचि रखने वाले किसान अपना आवेदन प्र.ोजेक्ट डायरेक्टर, आत्मा को 'आई किसान' पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन ग्रामीण स्तर पर ई–ग्राम सेंटर के मार्फत अथवा इंटरनेट–कंप्यूटर की सुविधा वाले किसी भी स्थान से किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद आवेदक को आवेदन का प्रिंटआउट प्राप्त कर उस पर हस्ताक्षर या अंगूठा लगाकर 8–अ की प्रति, संयुक्त खातेदार के मामले में अन्य खातेदार का सहमति पत्र, बैंक पासबुक की प्रति और कैंसल चेक शामिल कर 7 दिन में तहसील के बीटीएम/एटीएम/ग्राम सेवक, प्रोजेक्ट डायरेक्टर–आत्मा के कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। प्राकृतिक खेती यानी प्रकृति के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित देसी गाय के गोबर और गोमूत्र के जरिए कम खर्च पर होने वाली खेती। फसल वृद्धि के लिए जरूरी इनपुट बाहर से न लेकर प्राकृतिक सामग्री द्वारा स्वयं बनाना। प्राकृतिक खेती से भूमि की नमी को संग्रहित करने की क्षमता, उर्वरता और उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी होती है। इस खेती में लागत बहुत कम आती है, कीमत ज्यादा मिलती है, पानी की बचत होती और पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के साथ पोषण और संवर्धन होता है। इस उद्देश्य से देसी गाय आधारित संपूर्ण प्राकृतिक खेती करने वाले किसान परिवार को एक गाय के रखरखाव खर्च के लिए सहायता देने का निर्णय किया गया है।

मांगरोल में आर्थिक संकट से तंग आकर किसान ने किया सुसाइड

क्रांति समय

जूनागढ, जिले के ओसा घेड गांव में आर्थिक संकट से जूझ रहे एक किसान ने जहरीली दवाई पी ली। गंभीर हालत में किसान को तुरंत केशोद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वैश्विक महामारी कोरोना के चलते देश में लॉकडाउन की वजह से प्रत्येक वर्ग प्रभावित हुआ है।

खासकर किसानों की हालत काफी दयनीय हो गई है।

जूनागढ़ की मांगरोल तहसील के ओसा घेड़ के एक किसान ने आर्थिक संकट से तंग आकर अपने खेत में जहरीली दवाई पी ली। रामदेभाई बचुभाई नामक किसान की जेब से एक चिट्ठी मिली है, जिसमें उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का उल्लेख किया है।

गंभीर हालत में किसान को केशोद के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। किसान के परिवार में पत्नी और दो पुत्र हैं और पांच–छह बीघा जमीन है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनंतनाग में सीआरपीएफ टीम पर हमला, कुछ घंटे बाद आतंकवादी की हुई पहचान

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग के बिजबेहरा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक गश्ती दल पर हमले के लिए जिम्मेदार जम्मू-कश्मीर इस्लामिक स्टेट (जेकेआईएस) के एक आतंकवादी की पहचान करने का दावा किया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। आतंकवादी हमले में एक जवान के शहीद होने के साथ-साथ एक नाबालिग लड़के की भी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सीआरपीएफ जवान और नाबालिग लड़के के हत्यारे की पहचान कर ली है। जेकेआईएस के आतंकवादी जाहिद दास को बिजबेहरा के हमले में संलिप्त पाया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ उसके नाम से प्राथमिकी दर्ज कर ली है। यह पकला मौका है जब पुलिस ने हमले के कुछ घंटों बाद प्राथमिकी में किसी आतंकवाद का नाम सीधे तौर पर नाम दर्ज किया हो। प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को 12 बजकर 15 मिनट में अनंतनाग के बिजबेहरा में आतंकवादियों ने सीआरपीएफ दल पर गोलीबारी की जिसमें एक सीआरपीएफ जवान शहीद हो गया और कुलगाम के मचवा यारीपोरा के निवासी मोहम्मद यासीन भट का नाबालिग बेटा नेहान यावर की मौत हो गई। पुलिस ने इस संबंध में एक ममाला दर्ज किया है और मामले की जांच जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा नेता एजाज हुसैन ने हमले की निंदा की है। अब्दुल्ला ने ट्वीट कर कहा कि एक छह वर्ष का निर्दोष लड़का कश्मीर में हिंसा का ताजा शिकार बना है। आतंकवादियों के ग्रेनेड हमले में उसकी मौत दुखद और निंदनीय है। अल्लाह उसे जन्नत दे और उसके परिवार को इस मुश्किल समय में शक्ति दे। हुसैन ने कहा कि मुझे उन लोगों पर तरस आता है जो उनका समर्थन कर रहे हैं। क्रूर लोगों ने बिजबेहरा में दो निर्दोष की जान ले ली। कश्मीर में आतंकवाद का समर्थन कर रहे लोग खुद के लिए कब्र खोद रहे हैं। कश्मीर में आतंकवाद का समर्थन कर रहे लोग खुद के लिए कब्र खोद रहे हैं। समझने और गलतियों पर पश्चाताप करने के लिए कभी देर नहीं होती अन्यथा यह आने वाली पीढ़ियों को तबाह कर देगा।

संक्षिप्त समाचार

कोटा में फिर कोरोना विस्फोट: जूस ने 9 लोगों को बनाया कोरोना पॉजिटिव

कोटा। कोटा के चौपाटी बाजार में स्थित एक जूस सेन्टर की दुकान से जूस पीने से नौ लोग कोरोना संक्रमित हो गये। लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद खाने-पीने की चीजों के लिये मशहूर कोटा के छावनी चौराहे के पास स्थित चैपाटी का एक जूस सेन्टर भी खुलने लगा और इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने इस जूस सेन्टर से जूस पीया। इसी बीच इस जूस सेन्टर के एक कर्मचारी के अस्वस्थ होने के बाद जब उसका कोरोना टेस्ट कराया गया तो वह कोरोना पॉजीटिव मिला। इस सूचना के बाद चिकित्सा विभाग में हडकंप मच गया और जूस सेन्टर को बंद करवा कर विभाग ने एक नोटिस जारी करके उन सभी लोगों से गुरुवार को जूस सेन्टर पर कोरोना जांच के लिये लगने वाले शिविर में पहुंचने का आग्रह किया था। जिन्होंने इस अवधि में इस जूस सेन्टर पर जूस पीया उनमें से कई लोग दिन भर लगे शिविर में जांच कराने पहुंचे, जिनमें दो महिलाओं सहित नौ लोग कोरोना पॉजीटिव पाये गये। इनमें एक 71 वर्षीय पुरूष और 65 वर्षीय महिला के अलावा ज्यादातर संक्रमित लोग युवा है। विभाग के अनुसार शुक्रवार को सुबह कोटा में कोरोना के 23 नये मामले सामने आये है जिससे कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढकर 608 हो गई।

भारत के श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर, फिर खुलने जा रहा है करतारपुर कॉरिडोर

नेशनल डेस्क। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने शनिवार को बताया कि उसने भारत को बता दिया है कि पंजाब प्रांत के सिख गुरू महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर वह सोमवार को करतारपुर गलियारा पुन- खोलने के लिए तैयार है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण यह गलियारा पिछले तीन महीने से अस्थायी रूप से बंद है। भारत ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर 16 मार्च को पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब गुरुद्वारा के लिए तीर्थयात्रा और पंजीकरण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। एफओ ने कहा कि विश्वभर में धार्मिक स्थल पुन- खोले जा रहे हैं, ऐसे में पाकिस्तान ने भी सिख श्रद्धालुओं के लिए करतारपुर साहिब गलियारा पुनः खोलने के आवश्यक प्रबंध किए हैं। उसने बताया कि पाकिस्तान ने गलियारा पुनः खोलने के मद्देनजर स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने की खातिर भारत को आमंत्रित किया है। दोनों देशों ने नवंबर में पाकिस्तान के गुरुद्वारा करतारपुर साहिब और भारत के गुरदासपुर स्थित डेरा बाबा साहिब को जोड़ने वाला गलियारा श्रद्धालुओं के लिए खोला था। करतारपुर साहिब गुरुद्वारा रावी नदी के पास पाकिस्तान के नारोवाल जिले में स्थित है और डेरा बाबा नानक से करीब चार किलोमीटर दूर हैं। यहां गुरु नानक देव ने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। एफओ ने कहा कि करतारपुर गलियारा शांति एवं धार्मिक सद्भावना का असल प्रतीक है और पाकिस्तान की इस ऐतिहासिक पहल की भारत समेत विश्वभर के सिख समुदाय ने प्रशंसा की है। उल्लेखनीय है कि भारत ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को बड़े पैमाने पर कमतर करते हुए उससे मंगलवार को कहा था कि वह यहां अपने उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या अगले सात दिनों के अंदर 50 प्रतिशत घटाये।

केजरीवाल ने केंद्र को कहा शुक्रिया, बोलेसरकार ने हाथ पकड़कर चलना सिखाया

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

विभिन्न प्रकार के मुद्दों को लेकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को केंद्र सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में केंद्र ने हमें हाथ पकड़कर चलना सिखाया। केजरीवाल ने आज राजधानी में कोरोना की स्थिति पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मीडिया को संबोधित करते हुए यह बात कही। दरअसल दिल्ली में कोरोना के भयावह रूप धारण करने पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कमान संभाली और कई बैठकें कर ताबड़तोड़ फैसले किए। केजरीवाल ने कहा कि जांच बढ़ाने के लिये केंद्र ने पहले जांच किट मुहैया कराई और अब उनकी सरकार ने भी छह लाख जांच किट खरीद ली हैं। उन्होंने केंद्र की शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हमें हाथ पकड़कर चलना सिखाया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली वालों ने करोना के ख़िलाफ़ ज़बरदस्त युद्ध छेड़ा हुआ है। इस युद्ध में हमारे ये पाँच हथियार हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली वालों ने करोना के ख़िलाफ़ ज़बरदस्त युद्ध छेड़ा हुआ है। इस युद्ध में हमारे ये पाँच हथियार हैं। शनिवार सुबह केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा था कि दिल्ली ने कल एक दिन में सबसे ज़्यादा 21,144 टेस्ट किए। हमने टेस्टिंग को 4 गुना बढ़ा दिया है। बता दें कि कोरोना संक्रमण के मामले में दिल्ली देश में दूसरे स्थान पर है। दिल्ली स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में 3460 नये मामलों से कुल संक्रमित 77 हजार 240 हो गए। इस दौरान 63 मरीजों की मौत से कुल मृतक 2492 हो गए हैं।

लद्दाख के बाद हिंद महासागर पर ड्रैगन की नजर! भारत भी जवाब देने के लिए तैयार

नेशनल डेस्क। भारत-चीन सीमा पर लद्दाख की गलवन घाटी में कायराना हरकत करने के बाद भी ड्रैगन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। अब एक साजिश के तहत चीन हिंद महासागर पर अपना प्रभाव जमाने की कोशिश में जुट गया है। अगर ऐसा होता है तो इसका असर भारत समेत कई देशों पर पड़ सकता है। अमेरिकी पत्रिका फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी पनडुब्बियां स्ट्रेट ऑफ मलक्का के जरिए से हिंद महासागर में प्रवेश कर सकती हैं। अगर चीन ऐसा करता है तो दुनिया के दूसरे देशों समेत भारत के लिए चिंता का कारण हो सकता है। हालांकि चीन की किसी भी हरकत को लेकर भारत भी पूरी तरह से मुस्तैद है। भारतीय नौसेना भी अपनी क्षमताओं को बढ़ा रही है और खतरे का मुकाबला करने के लिए अपने ऑपरेटिंग पैटर्न को संशोधित कर रही है। सूत्रों के अनुसार भारत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पनडुब्बियों को तैनात करने की क्षमता का परीक्षण कर रहा है। चीन के लिए हिंद महासागर में घुसने के लिए दो रास्ते हैं। पहला सुंडा स्ट्रेट और दूसरा लोमबोक स्ट्रेट। इन दोनों रास्तों पर चीनी पनडुब्बियों के दाखिल होने में खतरा कम है। बता दें कि दक्षिण चीन सागर में भी चीन का फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई, इंडोनेशिया, सिंगापुर और वियतनाम जैसे देशों के साथ विवाद जारी है। चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा पेश करता है।

असम में बाढ़ की हालात हुए और खराब, अब तक 16 की मौत...2.53 लाख लोग प्रभावित

नेशनल डेस्क। असम में शुक्रवार को बाढ़ का पानी राज्य के 16 जिलों में प्रवेश कर गया। राज्य में बाढ़ से 2.53 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि इसमें एक और व्यक्ति की मौत हो जाने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ कर 16 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य में धेमाजी सार्वधिक प्रभावित जिला है और इसके बाद तिनसुकिया, माजुली और डिब्रूगढ़ भी बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के मुताबिक, डिब्रूगढ़ में बाढ़ ने एक और व्यक्ति की जान ले ली। अधिकारियों ने कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी और इसकी सहायक नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और इसके चलते धेमाजी, लखीमपुर, बिश्वनाथ, उदलगुड़ी, दरंग, बक्सा, कोकराझार, बारपेटा, नागांव, गोलाघाट, जोरहाट, माजुली, शिवसागर, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने कहा कि जिला एएसडीएमए ने कहा कि जिला विभागों ने छह जिलों में 142 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां 18,000 से अधिक लोग रहे रहे हैं।

सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड को लेकर मुंबई पुलिस का बड़ा खुलासा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड का केस अभी तक चर्चा में है। वहीं सुशांत की आत्महत्या को लेकर मुंबई पुलिस की जांच भी अभी जारी है। पुलिस जांच में सुशांत के सुसाइड को लेकर एक बड़ी बात सामने आई है। सुशांत सिंह राजपूत की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह आत्महत्या बताई गई है। वहीं पुलिस ने जो जांच की है उसमें पाया गया कि सुशांत ने एक बार नहीं बल्कि दो बार खुदकुशी की कोशिश की। सूत्रों के मुताबिक सुशांत ने जिस कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी वहां पर जमीन पर बाथरोब के टुकड़े मिले। ऐसे में पुलिस को शक है है कि सुशांत ने पहले बाथरूम में मौजूद अपने बाथरोब को फंदे के तौर पर इस्तेमाल किया था लेकिन वो टूट गया। इस तरह सुशांत पहली बार आत्महत्या करने में कामयाब नहीं हो सके थे। वहीं सुशांत की अलमारी में भी पुलिस को कपड़े बिखरे मिले थे। पुलिस को शक है कि बाथरोब टूटने के बाद सुशांत लिहाजा अपनी अलमारी में ऐसे कपड़े को ढूंढने की कोशिश कर रहे हो जिससे फंदा लगाया जा सके, तब शायद उनके हाथ में उनका हरे रंग का कुर्ता आया जिसे एक्टर ने फंदे के तौर पर इस्तेमाल किया। सूत्रों के मुताबिक जब

पुलिस सुशांत के अपार्टमेंट में पहुंची थी तब तक अभिनेता की बहन और वहां मौजूद लोगों ने उस हरे कुर्ते को काटकर सुशांत की बॉडी को नीचे उतार लिया था। पुलिस ने फिलहाल उस हरे कुर्ते को फॉरेंसिक लैब में भेजा है ताकि पता लगाया जा सके यह कुर्ता किसी व्यक्ति के भार को उठाने में सक्षम है या नहीं। वहीं पुलिस सुशांत के सोशल अकाउंट्स भी चैक कर रही है। पुलिस को शक है कि सुशांत के कुछ ट्वीट डिलीट किए गए हैं।

गलवान में शहीद हुए सैनिकों के लिए शोकसभा में चले लात-घूंसे

नई दिल्ली(एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 सैनिक शहीद हो गए थे। शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कांग्रेसी ने अजमेर में एक शोकसभा का आयोजन किया था जिसमें जमकर चले लात-घूंसे चले। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी मुताबिक इस शोकसभा में शामिल हुए पार्टी के दो कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। मामला इतना बढ़ गया कि एक के चेहरे पर गंभीर चोटें आई और खून भी निकलने लगा। मामला बढ़ता देख मौके पर मौजूद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बीच बचाव करना शुरू किया और काफी देर के बाद दोनों ने एक दूसरे को छोड़ा। वीडियो वायरल होते ही यूजर्स ने इन कार्यकर्ताओं को ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने इस वीडियो पर कॉमेंट करते हुए लिखा इन्हें गलवान भेज दो इन दोनों को, आर्मी के काम आ जाएंगे। एक ने लिखा कौन इस कार्यक्रम का क्रेडिट लेगा इस बात पर एक दूसरे को मार रहे हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कोरोना ने बढाई भारत की टेंशन: जून में ही संक्रमित हो चुके हैं तीन लाख से अधिक लोग

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर पांच लाख नौ हजार के करीब पहुंच चुकी है जिनमें तीन लाख 18 हजार से अधिक लोग जून में ही इसकी चपेट में आये हैं। कोविड-19 के संक्रमण की रफ्तार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अप्रैल में जहां इसके 33,406 नये मामले आये थे, वहीं मई में 1,55,492 और जून में 3,18,418 नये मामले सामने आये। अप्रैल में कोविड-19 संक्रमित 1,109 लोगों की जान गई थी। मई में 4,247 और जून में 10,291 लोगों को इस वायरस के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 5,08,953 पर पहुंच गई है। इनमें आखिरी छह दिन में करीब 99 हजार मामले आये हैं। अब तक 15,685 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। मृत्यु दर 01 अप्रैल के 2.32 प्रतिशत से बढ़कर आज सुबह तक 3.08 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अप्रैल में हर दिन औसतन 1,114 लोग कोविड-19 की चपेट में आये और 37 लोगों की मौत हुई। मई में रोजाना 137 लोगों की मौत हुई और 5,116 लोग संक्रमित हुये। जून में मरने वालों का औसत बढ़कर 396 प्रतिदिन पर और नये संक्रमितों का औसत 12,247 प्रति दिन पर पहुंच गया है।

देश में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 19 मई को एक लाख पर पहुंची थी। एक से दो लाख होने में 14 दिन का समय लगा और 03 जून को संक्रमितों की संख्या दो लाख के पार निकल गई।

आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम, स्वदेशी एंटी टॉरपीडो मिसाइल सिस्टम मारीच नौसेना में शामिल

विशाखापत्तनम। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी निरोधक क्षमता में शुक्रवार को उस समय एक बड़ा इजाफा हुआ जब स्वदेश में विकसित और उन्नत टॉरपीडो डिकॉय प्रणाली मारीच इसके बेड़े में शामिल हुई जो सभी अग्रिम रक्षा पंक्ति के युद्धपोतों से दागी जा सकती है रक्षा मंत्रालय की यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के मुताबिक इस एंटी-टारपीडो डिकॉय सिस्टम का डिजाइन और विकास रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं में किया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक रक्षा मंत्रालय का उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड इस डिकॉय प्रणाली के उत्पादन का कार्य करेगा। इस प्रणाली को शामिल किए जाने से न केवल रक्षा प्रौद्योगिकी के स्वदेशी विकास के लिए भारतीय नौसेना और डीआरडीओ की संयुक्त प्रतिबद्धता झलकती है, बल्कि सरकार की 'मेक इन इंडिया% पहल और स्वदेशी प्रौद्यागिकी में 'आत्मनिंभर बनने के लिए देश के संकल्प की दिशा में एक बड़ा कदम है।

ऑस्ट्रेलिया के बाद एसपी में अजूबा, बिना हाथ पैरों की बच्ची ने लिया जन्म

सिरोंज। विदिशा जिले के सिरोंज के सांकला गांव में जन्मी बच्ची इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। इस बच्ची के न तो हाथ है और न ही पैर। इसका जन्म सिर्फ सिर और धड़ के साथ हुआ है। खास बात यह है कि वह पूरी तरह स्वस्थ है। सिरोंज के राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुरेश अग्रवाल ने कहा- 'ये जन्मजात विकृति है। लाखों मामलों में इस तरह की स्थिति बनती है। बहरहाल बच्ची के जन्म के बाद से ही फ़ोटो वायरल होना शुरू हो गया जिसे कोई बीमारी की शक्ल में देख रहा है तो कोई भगवान का अवतार भी मान रहा है। भोपाल के सीएमएचओ और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रभाकर तिवारी के अनुसार, ये उनके करियर का अपने आप में पहला मामला है। ये विकृति है जो कि ट्रेट अमेलिया बीमारी के कारण हो सकती है। ये जेनेटिक है, जो परिवार के किसी सदस्य के जीन में दबी होगी। वही बच्ची के पिता का कहना है कि मां की हालात ठीक होते ही डॉक्टर के पास ले जाएंगे। आपको बता दें कि 4 दिसंबर 1982 को ऑस्ट्रेलिया में जन्मे निक भी जन्म से ही कुछ ऐसे थे। उनके भी दोनों हाथ और पैर नहीं थे।

कोरोना के फ्री इलाज के लिए मरीजों से गरीबी का सबूत नहीं मांग सकते: बंबई हाईकोर्ट

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

बंबई हाईकोर्ट ने कहा है कि गरीब एवं जरूरतमंद वर्गों के कोरोना मरीजों को अस्पतालों में भर्ती करते समय रियायती दर पर या मुफ्त उपचार उपलब्ध कराने के लिए उनसे दस्तावेजी साक्ष्य पेश करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। बांद्रा की झुग्गी बस्ती पुनर्वास इमारत में रहने वाले सात लोगों की याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। इन सात लोगों से 11 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच कोरोना वायरस के उपचार के लिए के जे सोमैया अस्पताल ने 12.5 लाख रुपए वसूले। न्यायमूर्ति रमेश धानुका और न्यायमूर्ति माधव जामदार की पीठ ने अस्पताल को अदालत में 10 लाख रुपए जमा कराने का आदेश दिया। याचिकाकर्त्ताओं के वकील विवेक शुक्ला ने अदालत को बताया कि अस्पताल ने धमकी दी कि यदि याचिकाकर्ता अपने बिल का भुगतान नहीं करेंगे तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी नहीं दी जाएगी। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने धन उधार लेकर 12.5 लाख रुपए में से 10 लाख रुपए का भुगतान जैसे-तैसे किया। याचिका के अनुसार याचिकाकर्त्ताओं से पीपीई किटों के लिए अतिरिक्त राशि ली गई और उनसे उन सेवाओं के लिए भी पैसे लिए गए जिनका इस्तेमाल नहीं किया गया। अदालत ने 13 जून को राज्य धर्मादाय आयुक्त को इस बात की जांच करने के आदेश दिए थे कि क्या अस्पताल ने 20 प्रतिशत बिस्तर गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए आरक्षित रखे हैं और क्या उन्हें रियायती दर पर या मुफ्त में उपचार मुहैया कराया जा रहा है? संयुक्त धर्मादाय आयुक्त ने अदालत को पिछले सप्ताह बताया था कि हालांकि ऐसे बिस्तर आरक्षित रखे गए हैं, लेकिन लॉकडाउन के लागू होने के समय से केवल तीन गरीब या जरूरतमंद मरीजों का उपचार किया गया है।

शुक्ला ने दलील दी कि पहले से परेशान कोविड-19 मरीजों से आय प्रमाण पत्र और इस प्रकार के अन्य दस्तावेज सबूत के रूप में पेश करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। हालांकि अस्पताल की ओर से पेश हुए वकील जनक द्वारकादास ने कहा कि याचिकाकर्ता आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नहीं हैं और उन्होंने यह साबित करने के लिए कोई दस्तावेज पेश नहीं किए।

सुसाइड करने को मजबूर हो रहे लोग

नेशनल डेस्क। देश में कोविड-19 का प्रकोप तेजी से बढ़ने के बीच मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक महामारी कुछ मामलों में वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों में तीव्र घबराहट पैदा करती है जो कई बार अवसाद का रूप ले लेती है और कुछ लोगों को तो आत्महत्या के कगार पर भी ले जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक घबराहट, संक्रमण का भय, अत्यधिक बेचैनी, निरंतर आश्वासन की मांग करते रहने वाला व्यवहार, नींद में परेशानी, बहुत ज्यादा चिंता, बेसहारा महसूस करना और आर्थिक मंदी की आशंका लोगों में अवसाद एवं व्यग्रता के प्रमुख कारक हैं। नौकरी चले जाने का भय, आर्थिक बोझ, भविष्य को लेकर अनिश्चितता और भोजन एवं अन्य जरूरी सामानों के खत्म हो जाने का डर इन चिंताओं को और बढ़ा देता है। कोविड-19 के प्रकोप के बाद से ऑनलाइन मंचों पर भी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर मदद मांगने वालों की संख्या बढ़ती हुई देखी गई है। इनमें बेचैनी से लेकर अकेलेपन और अपनी उपयोगिता से लेकर नौकरी चले जाने की चिंता जैसी तमाम समस्याएं शामिल हैं। मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में निदेशक, डॉ आर पूर्णा चंद्रिका ने बताया कि अप्रैल अंत तक करीब 3,632 फोन आए और 2,603 कॉलर को मनोरोग परामर्श दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारे पास जिलों में अपने केंद्रों पर समर्पित सेवाएं हैं और सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के लिए आने वाली कॉल को संबंधित संस्थानों को भेज दिया जाता है। राज्य में वायरस संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और इसमें से अधिकांश मामले शहर से होने की वजह से ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने भी निशुल्क हेल्पलाइन शुरू की है जो निवासियों को महामारी के दौरान तनाव से निपटने में मदद कराएगी। जो निवासियों को महामारी के दौरान तनाव से निपटने में मदद कराएगी। मनोचिकित्सकों का मानना है कि और बिगड़ती स्थितियों के कारण मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और गंभीर हो सकती है जिससे आत्महत्या करने की प्रवृत्ति भी बढ़ सकती है।